www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 148 || लखनऊ
शुक्रवार
28 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:43
सूर्यास्तः 06:30
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार डोभाल की कूटनीति और भारत... >> पेज 04 | पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर ... >> पेज 06 | कृति सेनन के कपड़ों पर दिए बयान ...

'9 साल में अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना बढ़ी, 2017 से पहले यूपी में दंगा होता था'

देश की टॉप 3 इकोनॉमी में यूपी : योगी

शुभारंभ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार, 27 अगस्त को यूपी स्टार्टअप नीति-2026 का शुभारंभ किया। राज्य के 107 स्टार्टअप्स को 3.42 करोड़ से ज्यादा की प्रोत्साहन राशि दी। 9 ऐसी संस्थाओं (इनक्यूबेटर्स) को भी 1.79 करोड़ बांटे, जो नए स्टार्टअप्स को शुरू करने और आगे बढ़ाने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा- 'उत्तर प्रदेश अब तेजी से बदल रहा है। कभी खराब कानून-व्यवस्था, दंगे और गड्ढों वाली सड़कों के लिए पहचाने जाने वाला यूपी आज देश के बड़े स्टार्टअप हब के तौर पर आगे बढ़ रहा है। अब प्रदेश का युवा नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बन रहा है।सीएम योगी ने कहा- '2014 से पहले देश में करीब 500 स्टार्टअप ही थे। आज इनकी संख्या ढाई लाख से ज्यादा हो गई है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी की करीब 25 करोड़ आबादी को अक्सर चुनौती के तौर पर देखा जाता है, लेकिन सरकार इसे प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत मानती है। उन्होंने कहा कि यूपी के पास देश की सबसे बड़ी युवा आबादी है।

योगी ने कहा कि 2017 से पहले यूपी की गिनती देश के पिछड़े यानी 'बीमारू' राज्यों में होती थी। आज प्रदेश देश की टॉप-3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 9 साल में यूपी की अर्थव्यवस्था 3 गुना हुई है। इसी दौरान प्रति व्यक्ति आय भी 3 गुना बढ़ी है।

युवाओं के लिए 3 बड़े ऐलान

1. स्टार्टअप प्रोत्साहन कार्डः नए और उभरते उद्यमियों को इंसेंटिव कार्ड दिए गए।
2. इंक्यूबेटर्स को आर्थिक मददः इंक्यूबेटर्स को वित्तीय सहायता दी गई।

साथ ही 12 नए इंक्यूबेटर्स को मान्यता दी गई।

3. यू-हब की शुरुआतः प्रदेश में स्टार्टअप का माहौल मजबूत करने के लिए यू-हब की कार्ययोजना सामने रखी गई।

सीएम योगी ने कहा- '2014 से पहले देश में करीब 500 स्टार्टअप ही थे। आज इनकी संख्या ढाई लाख से ज्यादा हो गई है।'

यूनिवर्सिटीज में रिसर्च के लिए बढ़ाया फंड

योगी ने कहा कि सरकार ने 2019 में सिडबी के साथ मिलकर स्टार्टअप फंड शुरू किया था। नई स्टार्टअप पॉलिसी में युवाओं के लिए इंसेंटिव भी बढ़ाए गए हैं। उन्होंने विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों से कहा है कि पढ़ाई सिर्फ किताबों और सिलेबस तक सीमित न रहे। कॉलेजों में रिसर्च और इनोवेशन का माहौल बनाया जाए। इसके लिए सरकार ने विश्वविद्यालयों के रिसर्च फंड में भी बढ़ोतरी की है।

'पहले शाम होते ही अंधेरा और त्योहार पर कर्फ्यू'

सीएम योगी ने 2017 से पहले की कानून-व्यवस्था पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उस समय यूपी की पहचान खराब सड़कों, बिजली की समस्या और दंगों से होती थी। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब त्योहार आते ही लोगों को दंगे और उपद्रव का डर रहता था। स्कूल-कॉलेज और बाजार लंबे समय तक कर्फ्यू के कारण बंद रहते थे। ऐसे माहौल में रोजगार, रिसर्च और इनोवेशन की बात करना मुश्किल था। योगी ने कहा कि कानून-व्यवस्था बेहतर होने के बाद ही निवेश, रोजगार और स्टार्टअप का माहौल बन सकता है।

एसजीपीजीएआई में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

मुख्यमंत्री ने बताया कि SGPGI ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने का प्रस्ताव दिया है। सरकार ने इसके लिए सहयोग देने की बात कही है। उन्होंने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन और रोबोटिक टेक्नोलॉजी जैसी नई तकनीकों पर भी काम किया जा रहा है। प्रदेश में अभी 12 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस चल रहे हैं।

योगी ने कहा कि देश के कुल स्टार्टअप्स में यूपी की हिस्सेदारी करीब 10% है। अब सरकार इसे बढ़ाकर 20% करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि तकनीक, इनोवेशन और उद्योग के दम पर यूपी को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। योगी ने कहा कि यह नया यूपी है और अब यह पीछे हटने वाला नहीं है।

नेपाल में एक और बाढ़ की चेतावनी

चीन बोला- बॉर्डर से 18 किमी ऊपर बनी झील

359 शव बरामद
288 भारतीय समेत 1500 लापता

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में बुधवार की भीषण बाढ़ के बाद चीन ने भोटेकोशी नदी में फिर बड़ी बाढ़ की चेतावनी दी है। चीन से मिली जानकारी के मुताबिक, रसुवागढ़ी बॉर्डर से करीब 18 किमी ऊपर ल्हेंदे नदी में पानी रुकने से झील बन गई है। प्रशासन ने निचले इलाकों के लोगों को नदी किनारे से दूर सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी है। झील के टूटने पर भोटेकोशी में फिर तेज बाढ़ आ सकती है। नेपाल पुलिस के गुरुवार शाम 5 बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार की बाढ़ में 359 लोगों की मौत हो चुकी है। 8 जिलों से शव बरामद किए गए हैं। सबसे ज्यादा चितवन जिले में 132 शव मिले हैं। बाढ़ के बाद करीब 1,500 लोग लापता हैं। इनमें 288 भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, 21 भारतीयों को बचाया गया है, जिनमें 11 की पहचान हो चुकी है। बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही के बाद लंदन में रहने वाला नेपाली समुदाय मदद के लिए आगे आया है। प्लमस्टेड स्थित श्री पशुपतिनाथ मंदिर में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए डोनेशन बॉक्स रखा गया है। मंदिर के पुजारी नील हरि ग्रिमियर की पहल पर रखे गए इस बॉक्स में मंदिर आने वाले लोग अपनी इच्छा से आर्थिक सहयोग दे रहे हैं। यह राशि नेपाल में आपदा से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए दी जाएगी। नेपाल में बाढ़ में बहकर आए एक शव के कान से बाली निकालने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

लैंडस्लाइड से 5.2 तीव्रता के भूकंप जितना झटका

बुधवार सुबह 8:37 बजे नेपाल-चीन सीमा के पास तेज झटके महसूस किए गए। शुरुआत में अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) ने इसे 4.4 तीव्रता का भूकंप बताया था। लेकिन बाद में पता चला कि पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बर्फ और चट्टानों के साथ ल्हेंदे खोला नदी में गिरा था। ल्हेंदे खोला, भोटेकोशी नदी की सहायक नदी है। भोटेकोशी चीन से निकलकर नेपाल में प्रवेश करती है। बाद में USGS ने भी स्पष्ट किया कि 5.2 तीव्रता के भूकंप जैसा यह झटका लैंडस्लाइड के कारण पैदा हुआ था।

फास्ट न्यूज

भारत का लोकतंत्र सबसे अलग : थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हालिया जेन-जी विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि विरोध के दबाव में भारत का राजनीतिक सिस्टम हिला जरूर, लेकिन टूटा नहीं। थरूर के मुताबिक, यही भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है।

महाराष्ट्र : ड्राइवर्स को मराठी सीखने के लिए एक साल मिला

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मराठी न जानने वाले ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने के लिए एक साल का समय दिया। गुरुवार को मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस दौरान ड्राइवरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवर संगठनों ने फडणवीस से मुलाकात कर नियम का पालन करने के लिए और समय मांगा था। फडणवीस ने यह भी कहा कि मुंबई में काम करने वाले ड्राइवरों के लिए मराठी की कामचलाऊ जानकारी जरूरी होने का संगठनों ने समर्थन किया है। उन्होंने तर्क दिया कि ड्राइवर अलग-अलग उम्र के हैं और कई लोग लंबे समय से पढ़ाई से दूर हैं।

अवकाश की सूचना

रक्षा बंधन के पावन पर्व के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाचार पत्र वितरक बंधुओं एवं समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

28 अगस्त 2026, शुक्रवार को रक्षा बंधन के पावन पर्व के कारण 'तमसा संकेत' कार्यालय बंद रहेगा। अतः अगला अंक 30 अगस्त 2026, रविवार को प्रकाशित होगा।

— संपादक

टीएमसी का ममता गुट बैंक-अकाउंट इस्तेमाल न करे : कोलकाता हाईकोर्ट

इनमें ₹804 करोड़, पहले कोर्ट ने रोजमर्रा के खर्च पूरे करने की अनुमति दी थी

इनकार

तमसा संकेत, एजेंसी

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले TMC गुट को पार्टी के चार बैंक खाते चलाने की अंतरिम अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इन खातों में करीब 804 करोड़ जमा हैं और पुलिस ने इनसे निकासी पर रोक लगा रखी है। कोलकाता हाई कोर्ट ने गुरुवार को इसी मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसी राहत देने से उसके पहले के आदेश का असर खत्म हो जाएगा। उस आदेश में राजनीतिक दल के रोजमर्रा के खर्च पूरे करने की अनुमति दी गई थी। मामले की अगली सुनवाई दुर्गा पूजा की छुट्टियों के बाद होगी। कोर्ट ने इससे पहले दोनों पक्षों को अपना-अपना पक्ष बताते हुए हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जस्टिस भट्टाचार्य ने कहा कि 9 जुलाई के आदेश में राजनीतिक दल के रोजमर्रा के खर्च पूरे करने के लिए पहले ही व्यवस्था की जा चुकी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

कोलकाता हाईकोर्ट के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कहा कि चार खातों को चलाने की आगे अनुमति देने का आदेश उनके पहले के आदेश को "गलत" साबित कर देगा। पार्टी ने दावा किया था कि इन खातों पर रोक लगाने से जुड़ी कमियां हैं।

ओलंपिक खेलों में भागीदारी बढ़ानी होगी : मोदी

अभी से खिलाड़ी तैयार करें, खेलो इंडिया डायलॉग में कहा- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा प्लेग्राउंड चाहिए

संवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें। मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है। पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है। देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है। सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे। स्वस्थ समाज और मजबूत परिवार के लिए स्पोर्ट्समैन स्पिरिट जरूरी है। खेल हमें चैंपियन के साथ बेहतर प्रतियोगी बनना सिखाते हैं।

खेल मंत्री मांडविया बोले- स्टेडियम ही नहीं लोगों की सोच भी बदली

वहीं, खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि पीएम मोदी ने युवाओं को देश का उज्ज्वल भविष्य बताया है। 12 जनवरी को युवाओं के साथ समय बिताने का असर बजट में भी दिखा, जिसे वित्त मंत्री ने यूथ ड्रिवन बताया। उन्होने कहा कि आज सबसे बड़ा बदलाव स्टेडियम में नहीं, बल्कि लोगों की सोच में आया है। एक तरफ वे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने तिरंगे को विश्व मंच तक पहुंचाया है। दूसरी तरफ वे खिलाड़ी हैं, जो तिरंगे को पोडियम तक पहुंचाने का सपना देख रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

सस्पेंड : हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा- प्रोग्राम रोकने की कोशिश, मेयर ममदानी समेत कई संगठन विरोध में

न्यूयॉर्क में आरएसएस के कार्यक्रम के आयोजक का एक्स-अकाउंट सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका में गुरुवार को अमेरिकन हिंदूज फॉर इंगेजमेंट एंड डायलॉग फोरम यानी AHEAD का X अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम को लेकर चल रहे विवाद के बीच हुई है। AHEAD इस कार्यक्रम के आयोजकों में से एक है। इसी बीच एक और आयोजक हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (HAF) ने कार्यक्रम से पहले सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। HAF ने कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों से सतर्क रहने, आसपास की गतिविधियों पर नजर रखने और किसी भी तरह के टकराव से बचने की अपील की है। संगठन ने कहा कि कुछ लोग कार्यक्रम को रद्द कराने की कोशिश कर रहे हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

2018 में भी अमेरिका गए थे भागवत

मोहन भागवत इससे पहले सितंबर 2018 में अमेरिका गए थे। उन्होंने शिकागो में 7 से 9 सितंबर 2018 तक आयोजित दूसरे वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस में हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम में 60 देशों से करीब 2,500 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। भागवत ने कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया था। 2018 के इस दौरे की उपलब्ध रिपोर्टों में भागवत की किसी अमेरिकी राजनयिक से मुलाकात या उन्हें किसी औपचारिक राजनयिक सम्मान दिए जाने का जिक्र नहीं मिलता।

अमेरिकी आयोग ने आरएसएस पर बैन की मांग की थी

भागवत के अमेरिका दौरे से पहले अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (USCIRF) ने RSS पर बैन लगाने की मांग की थी। आयोग ने अमेरिकी सरकार से RSS नेताओं को राजनयिक सुविधाएं न देने और आधिकारिक मुलाकात से बचने को भी कहा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसे 'पक्षपाती संस्था' बताते हुए कहा कि आयोग लंबे समय से भारत पर गलत और भड़काऊ बयान देता रहा है।

मेडिसन स्क्वायर में भारतीयों को संबोधित करेंगे भागवत

मेडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग (AHEAD) फोरम कर रहा है। कार्यक्रम में भागवत का संबोधन भी होगा। यह कार्यक्रम रक्षाबंधन के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को एकता, नागरिक जिम्मेदारी और वैश्विक सद्भाव के संदेश से जोड़ा जाएगा। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। अलग-अलग धर्मों और समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल होंगे। इसमें 5 हजार लोग शामिल हो सकते हैं। मार्च की सालाना रिपोर्ट में USCIRF ने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता पर चिंता जताई और RSS व RAW समेत कुछ संगठनों पर बैन की सिफारिश की। भारत ने रिपोर्ट को 'विकृत और चुनिंदा' बताते हुए खारिज किया। सरकार ने कहा कि इसमें संदिग्ध स्रोतों के आधार पर भारत की एकतरफा तस्वीर पेश की गई है।

मान क्रैश, पायलट और ट्रेनी की हुई मौत

प्लेन में अचानक धमाका हुआ, फिर नीचे गिरा, दोनों बाहर नहीं निकल पाए

- कानपुर में ट्रेनी एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। हादसे के बाद एक पायलट एयरक्राफ्ट में ही फंसकर मौत हो गई।
- हादसे के बाद एयरक्राफ्ट के परखच्चे उड़ गए। उसके पुर्जे करीब 20 से 30 फीट तक बिखर गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। यूपी के कानपुर में ट्रेनिंग विमान क्रैश हो गया। हादसे में पायलट और ट्रेनी की मौत हो गई। विमान ने गुरुवार सुबह 11:30 बजे उड़ान भरी थी। 11:50 बजे यानी उड़ान के महज 20 मिनट बाद गंगा बैराज के पास 5 फीट ऊंची बाउंड्री वॉल से टकराकर खेत में जा गिरा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान करीब 200-250 फीट ऊपर था। तभी अचानक हवा में डगमगाया और क्षतिग्रस्त हो गया। नीचे गिरते ही पूरा विमान टूटकर बिखर गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता, जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

बरसात में जलभराव और गंदगी पर तत्काल कार्रवाई करें : ए. के. शर्मा

समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

> नगरों में कहीं भी कूड़े का ढेर न दिखे
> डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव एवं फॉगिंग तेज करें, अस्पतालों में अतिरिक्त बेड, ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की व्यवस्था रखें
> जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का प्राथमिकता से करें निस्तारण, लापरवाही पर तय होगी जिम्मेदारी : ए. के. शर्मा

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने अपने प्रभार जनपद भदोही में कलेक्ट्रेट सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ विकास कार्यों और जनसुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बरसात के मौसम को देखते हुए जलभराव, साफ-सफाई, संक्रामक रोगों की रोकथाम तथा पेयजल व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

मंत्री ए. के. शर्मा ने नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी नगर क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। जहां जलभराव की समस्या है, वहां तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराते हुए स्थायी समाधान की दिशा में कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान जलजमाव से मच्छरजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए संवेदन-शील स्थानों को चिन्हित कर वहां एंटी लार्वा का नियमित छिड़काव और फॉगिंग कराई जाए।साफ-सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि नगरों में कहीं भी कूड़े का ढेर दिखाई नहीं देना चाहिए। नियमित कूड़ा उठान एवं निस्तारण के साथ सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, प्रमुख मार्गों और आबादी वाले क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। अधिकारियों को मौके पर जाकर सफाई व्यवस्था की निगरानी करने के भी निर्देश दिए। जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री ने अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देश दिया कि पेयजल योजनाओं के कार्यों में तेजी लाई जाए और निर्धारित समयसीमा में योजनाओं को पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि हर घर शुद्ध पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों की गुणवत्ता की नियमित जांच तथा स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा।

प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान शर्मा ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डेंगू, मलेरिया, वायरल बुखार एवं अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई जाए। सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक दवाओं के साथ अतिरिक्त बेड, पर्याप्त ऑक्सीजन एवं वेंटिलेटर की व्यवस्था पहले से सुनिश्चित रखी जाए, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में मरीजों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

1 घंटे के इंतजार के बाद आ रही बस लखनऊ में नहीं मिल रही सीट

रक्षाबंधन पर महिलाओं के फ्री सफर के लिए 978 बसें

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने के लिए लखनऊ में फ्री बस यात्रा के लिए बहनों की भीड़ उमड़ पड़ी है। बस अड्डों पर पूर्वांचल जाने वाली बसें आते ही भर जा रही हैं। महिला यात्रियों ने बताया कि एक घंटे से बस का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सीट नहीं मिल रही।

महिलाओं को 27 अगस्त सुबह 6 बजे से 29 अगस्त रात 12 बजे तक मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। भीड़ को देखते हुए लखनऊ क्षेत्र में 978 बसों के फेरे बढ़ाए जा रहे हैं।

रक्षाबंधन पर बड़ी संख्या में यात्री पूर्वांचल की ओर जाएंगे। इसे देखते हुए गोरखपुर, आजमगढ़, गोंडा और बहराइच रूट पर पर्याप्त बसें लगाई गई हैं। यात्रियों की भीड़ के हिसाब से इन रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। पूर्वांचल के साथ दिल्ली और कानपुर रूट पर भी अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की गई है। परिवहन निगम का लक्ष्य है कि यात्रियों को बस के लिए ज्यादा देर इंतजार न करना पड़े। क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन के मुताबिक, लखनऊ क्षेत्र में 978 बसें संचालित की जा रही हैं। रक्षाबंधन के दौरान इनसे ज्यादा फेरे कराए जाएंगे, ताकि यात्रियों को आसानी से बस मिल सके। परिवहन निगम के अनुसार, पिछले रक्षाबंधन पर करीब 3.5 लाख महिलाओं ने मुफ्त यात्रा की थी। उनके साथ करीब 1 लाख सहवर्ती (अटेंडेंट) भी इस सुविधा में शामिल थे। इस तरह करीब 4.5 लाख यात्रियों ने योजना का लाभ लिया था।

फास्ट न्यूज

मेयर ने सैनिकों को बांधी राखी

लखनऊ । रक्षाबंधन से एक दिन पहले मेयर सुषमा खर्कवाल ने सैनिकों के साथ राखी मनाई। मध्य उत्तर प्रदेश सब एरिया के मुख्यालय में उन्होंने जीओसी मेजर जनरल मनीष कुकरेती को राखी बांधी। इसके साथ ही शुभकामनाएं भी दी हैं। इस दौरान माहौल बेहद भावुक और आत्मीय रहा। देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले सैन्य अधिकारियों की कलाई पर राखी बांधी। महापौर ने उनके प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त की।

लखनऊ में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकला

लखनऊ । लखनऊ में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शहर में शान-ओ-शौकत के साथ जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला गया। इसमें 250 से अधिक अंजुमनों ने उत्साह और अकीदत के साथ शिरकत की। अंजुमन फारूक-ए-आजम शाहगंज के सदस्यों ने भी पूरी अदब और उत्साह के साथ हिस्सा लिया। जुलूस की अगुवाई सबसे आगे तिरंगे ने की।

कार्यक्रम में पश्चिम विधायक अरमान खान ने विभिन्न अंजुमनों को अवार्ड देकर सम्मानित किया। मौलाना यासिर फारूकी और विधायक प्रत्याशी अनीस राजा ने भी अंजुमनों के सदस्यों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

आईआईआईटी हैदराबाद में एडमिशन के नाम पर 20 लाख ठगे

लखनऊ। विभूति खंड में IIIT हैदराबाद में बीटेक ECE में एडमिशन दिलाने के नाम पर 20 लाख रुपए की ठगी हुई है। विभूति खंड के रहने वाले पीड़ित का गूगल सर्च के जरिए मिले एक व्यक्ति ने खुद को मुंबई की विजडम एजुकेशन नाम की एजुकेशन कंसल्टेंसी का संचालक बताया।

रक्षाबंधन पर शुद्ध खाद्य पदार्थों की गारंटी के लिए प्रदेशभर में विशेष अभियान

योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का असर

तमसा संकेत, संवाददाता

> ■ योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का असर, त्योहार से पहले मिलावटखोरों पर प्रहार
> ■ 18 एफआईआर, 182 नमूने और 46 लाख रुपये से अधिक की सामग्री जब्त-नष्ट
> ■ खोवा, पनीर, दूध और घी से लेकर मिलावट में इस्तेमाल रसायनों तक को लेकर कार्रवाई

लखनऊ। त्योहारों के दौरान प्रदेशवासियों को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की योगी सरकार की प्रतिबद्धता के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए), उत्तर प्रदेश ने मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान और तेज कर दिया है। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर 20 अगस्त 2026 से चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान में आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देशन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई। अभियान के तहत अब तक 18 एफआईआर दर्ज की गईं, 182 खाद्य नमूने संग्रहीत किए गए, 13,440.25 किलोग्राम और 14,561 लीटर सामग्री जब्त की गई है। वहीं 18,607 किलोग्राम और 7,630 लीटर असुरक्षित/अस्वच्छ खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई है। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य करीब 26.09 लाख तथा नष्ट सामग्री का मूल्य करीब 27.89 लाख है। कानपुर नगर, कानपुर देहात, लखनऊ, मुजफ्फरनगर, मेरठ, कासगंज, अलीगढ़, बागपत, प्रयागराज, गाजियाबाद, आगरा, हापुड़, संत कबीर नगर, फिरोजाबाद, बदायूं, सम्भल और मथुरा समेत विभिन्न जनपदों में कार्रवाई की गई।

पहाड़पुर स्कूल में कराई प्रतियोगिता

लखनऊ। बेसिक विद्यालय पहाड़पुर महमूदाबाद में राखी पर्व के अवसर पर राखी मेकिंग प्रतियोगिता एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी उदय मणि पटेल के प्रोत्साहन तथा प्रभारी इंचार्ज प्रधाना-ध्यापक नीति रस्तोगी के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए सुंदर-सुंदर राखियां बनाईं। मेहंदी प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें पर्व के महत्व के बारे में बताया। अमित दीक्षित, प्रियंका चौधरी, पूनम बंशवार एवं सायमा जोहरा ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों में रचनात्मकता, आपसी प्रेम, भाईचारे एवं भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता का भाव विकसित हुआ। कार्यक्रम का वातावरण उल्लास और उमंग से भर गया तथा बच्चों ने राखी पर्व को यादगार बनाया।

75 जिलों के किसानों, एफपीओ और निर्यातकों ने लिया हिस्सा

यूपी के कृषि उत्पादों को मिलेगा वैश्विक बाजार

> ■ किसानों और निर्यातकों के बीच बढ़ेगा तालमेल

नई वेबसाइट से मिलेगी निर्यात की पूरी जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

उत्तर प्रदेश सरकार ने कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने और कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है।

राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की दूसरी बैठक में निर्यात को सुगम बनाने पर चर्चा की गई और एक नई वेबसाइट लॉन्च की गई।

इस बैठक में सभी 75 जिलों के किसानों, निर्यातकों और एफपीओ ने भाग लिया, जिसके परिणामस्वरूप निर्यातकों और एफपीओ के बीच समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि नई वेबसाइट किसानों और निर्यातकों को यह जानकारी देगी कि उनके जिले की कौन सी उपज किस देश में बेची जा सकती है, संबंधित देश के लिए उत्पाद के क्या मानक आवश्यक हैं और निर्यात के लिए किन प्रक्रियाओं का पालन करना होगा।

उत्तर प्रदेश में वर्तमान में लगभग 3,000 निर्यातक सक्रिय हैं, जो किसानों की उपज को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने में मदद कर रहे हैं। वर्ष 2016-17 में 727 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था, जो 2025-26 में बढ़कर 1,132 करोड़ रुपये हो गया। उत्तर प्रदेश की कृषि उपज अमेरिका, यूएई, जर्मनी, ब्रिटेन सहित 20 से अधिक देशों में पहुंच रही है। कार्यशाला में एपीडा, डेलॉयट, सीआईएसएच और सीआई-पीएमए के विशेषज्ञों ने औद्यानिक निर्यात की वर्तमान स्थिति, भविष्य की संभावनाओं, अच्छी कृषि पद्धतियों और निर्यात के लिए आवश्यक मानकों पर तकनीकी जानकारी प्रदान की।

इंटीग्रेटेड टेस्टिंग ट्रीटमेंट पार्क का निर्माण

जेवर एयरपोर्ट के पास एक इंटीग्रेटेड टेस्टिंग ट्रीटमेंट पार्क बनाया जाएगा, जिससे एयर कार्गो के माध्यम से उपज तेजी से पहुंचाई जा सकेगी। किसानों को बाजार में भाव स्थिरता के लिए 1000 करोड़ रुपये का भामाशाह भाव स्थिरता कोष स्थापित किया गया है, साथ ही शीतगृह किराये और बीज पर भी छूट दी जा रही है। बैठक में उत्पाद की गुणवत्ता, अंतरराष्ट्रीय मानकों, पैकेजिंग, पेस्टिसाइड मैनेजमेंट, कोल्ड चेन और निर्यात से जुड़ी अन्य आवश्यकताओं पर विशेष जोर दिया गया।

> राज्य औद्यानिकी निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा
> – उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

देश में स्क्रैप हुए वाहनों में यूपी की हिस्सेदारी 48.5 प्रतिशत : परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह

वाहन स्क्रैपिंग नीति के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में नंबर-1

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश ने पुराने, अनफिट एवं प्रदूषणकारी वाहनों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से स्क्रैप करने के क्षेत्र में देश में टॉप पर है। परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने कहा कि वाहन स्क्रैपिंग नीति के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश आज देश में नंबर-1 है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य केवल पुराने वाहनों को हटाना नहीं, बल्कि Clean Mobility, Road Safety, Scientific Recycling और Circular Economy को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश में वाहन स्क्रैपिंग के लिए तेजी से विकसित हो रहा RVSF नेटवर्क इस दिशा में प्रदेश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। परिवहन विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 31 जुलाई, 2026 तक देशभर में कुल 4,07,520 वाहन स्क्रैप किए गए, जिनमें 1,97,735 वाहन अकेले उत्तर प्रदेश में स्क्रैप हुए। अर्थात देशभर में स्क्रैप किए गए वाहनों में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी लगभग 48.5 प्रतिशत है। यह आंकड़ा बताता है कि देश में स्क्रैपिंग अभियान को गति देने में उत्तर प्रदेश की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण हो गई है। परिवहन मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने केवल वाहन स्क्रैपिंग के आंकड़ों में ही नहीं, बल्कि इसके लिए आवश्यक आधारभूत ढांचे के निर्माण में भी उल्लेखनीय प्रगति की है।

हमारा लक्ष्य आधुनिक व्यवस्था वाला उत्तर प्रदेश

वाहन स्क्रैपिंग नीति में उत्तर प्रदेश का नंबर-1 प्रदर्शन प्रदेश सरकार की प्रभावी नीति, मजबूत RVSF नेटवर्क और जनता की बढ़ती भागीदारी का परिणाम है। हमारा लक्ष्य है कि पुराने और अनफिट वाहनों को सड़क से हटाकर उत्तर प्रदेश को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था वाला प्रदेश बनाया जाए।

गुणवत्ता और पारदर्शिता पर भी सरकार का जोर

परिवहन मंत्री ने कहा कि उपलब्धि के साथ-साथ quality compliance भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।RVSF में निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुरूप scrapping सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा निरीक्षण और निगरानी की जा रही है। जुलाई 2026 में प्राप्त शिकायतों के बाद परिवहन विभाग ने RVSFs की कार्यप्रणाली की जांच के लिए विशेष निरीक्षण अभियान भी चलाया था। प्रत्येक संभाग में अधिकारियों की संयुक्त टीमों को RVSFs के निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट संदेश है कि अधिकृत RVSF में नियमों के अनुसार, पारदर्शी और पर्यावरण-अनुकूल scrapping ही स्वीकार्य होगी।

स्क्रैप हुए वाहनों में 48.5 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश की

स्वच्छ और सुरक्षित परिवहन की ओर बढ़ा यूपी

तमसा संकेत, संवाददाता

> ■ 31 जुलाई तक 1.97 लाख वाहन स्क्रैप किए गए
> ■ पुराने वाहनों को हटकर आधुनिक परिवहन की ओर यूपी, वाहन मालिकों को रोड टैक्स में छूट

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन व्यवस्था की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में वाहन स्क्रैपिंग नीति के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि पुराने, अनफिट और प्रदूष-णकारी वाहनों को वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से स्क्रैप करने में प्रदेश देश में नंबर एक पर है। योगी सरकार का उद्देश्य केवल पुराने वाहनों को हटाना नहीं, बल्कि स्वच्छ परिवहन, सड़क सुरक्षा, वैज्ञानिक तरीके से कचरे का दोबारा इस्तेमाल बढ़ाना और ऐसी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना, जिसमें चीजों को बार-बार उपयोग में लाया जा सके। परिवहन विभाग के मुताबिक 31 जुलाई 2026 तक देशभर में 4.07 लाख से अधिक वाहन स्क्रैप किए गए हैं। इनमें अकेले उत्तर प्रदेश में 1.97 लाख से अधिक वाहन स्क्रैप हुए। इस तरह देश में स्क्रैप किए गए कुल वाहनों में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी करीब 48.5 प्रतिशत है।

छापा : 200 किलो खराब मिठाई नष्ट कराई गई, 180 लीटर सोयाबीन तेल सीज

रक्षाबंधन से पहले मिठाई की अवैध फैक्ट्री का भंडाफोड़

■ खाद्य सुरक्षा विभाग ने 180 लीटर रिफाइंड सोयाबनी तेल सीज किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में रक्षाबंधन से एक दिन पहले खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मिठाई बनाने वाली एक अवैध फैक्ट्री पर छापा मारकर 200 किलो खराब मिठाई नष्ट कराई। यह कार्रवाई गुरुवार को नीवा कासिम खेड़ा में रिंकू की फैक्ट्री में हुई।

टीम ने संदिग्ध गुणवत्ता मिलने पर 180 लीटर रिफाइंड सोयाबीन तेल भी सीज कर दी। फैक्ट्री का लाइसेंस नहीं था। इस वजह से उसे बंद करा दिया गया।

खाद्य सुरक्षा विभाग को मिठाई बनाने की अवैध फैक्ट्री की जानकारी हुई मिली थी। इस पर अधिकारियों की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। फैक्ट्री में तैयार हो रही मिठाइयों और इस्तेमाल किए जा रहे कच्चे माल की जांच की। खाद्य पदार्थों की क्वालिटी जांचने के लिए पेड़ा, एसएमपी, रिफाइंड सोयाबीन तेल और चांदी के वर्क के नमूने लिए। इन सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद यह पता चलेगा कि इनमें से किसी में मानकों का उल्लंघन हुआ है या नहीं।

कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री मालिक से खाद्य कारोबार के लिए जरूरी लाइसेंस मांगा गया, लेकिन वह वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका।

गंदी हालत में रखी थी 200 किलो मिठाई

निरीक्षण के दौरान करीब 200 किलो मिठाई ऐसी जगह और ऐसी स्थिति में रखी मिली, जिसे अधिकारियों ने इंसानों के खाने के लिए पूरी तरह अनुपयुक्त माना। अधिकारियों के मुताबिक, इसकी कीमत करीब 20 हजार रुपए थी। उसे नष्ट करा दिया गया।

जांच के दौरान 180 लीटर रिफाइंड सोयाबीन तेल भी खराब मिला। इसकी अनुमानित कीमत 40,860 रुपए बताई गई है। टीम ने तेल को सीज कर दिया और इसके नमूने भी लिए। अब प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर तय होगा कि तेल में किस तरह की गड़बड़ी थी।

इंडस्ट्रियल एरिया में जलभराव बिजली पर उद्योग बंधु की बैठक

लखनऊ के अमौसी में 700 मीटर नाला बनाने का प्रस्ताव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के औद्योगिक क्षेत्रों में जलभराव, बिजली ट्रिपिंग और सड़क-नाली की समस्याओं के समाधान पर फैसला लेने के लिए उद्योग बंधु की बैठक होगी। 27 अगस्त को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में अमौसी, सरोजनीनगर और तालकटोरा समेत अन्य औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याओं पर चर्चा होगी। इसके साथ ही निवेश मित्र पोर्टल पर समय सीमा पार कर चुके 70 मामलों की भी समीक्षा की जाएगी।

बैठक में अमौसी-नादरगंज और सरोजनीनगर औद्योगिक क्षेत्र में जल निकासी की समस्या पर खास चर्चा होगी। सरोजनीनगर में लखनऊ-कानपुर रोड के किनारे एनएचएआई का बनाया जा रहा ड्रेन औद्योगिक क्षेत्र के ड्रेन से ऊंचा है। इससे बारिश का पानी नहीं निकल पा रहा है। नगर निगम, जलकल, एलडीए, सीएंडडीएस, जल निगम, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग, एनएचएआई और यूपीसीडा की टीम मौके का निरीक्षण कर चुकी है। अब सीएंड-डीएस को समस्या के समाधान की कार्ययोजना तैयार करनी है। अमौसी औद्योगिक क्षेत्र के शष्तम विहार में जलभराव खत्म करने के लिए 700 मीटर लंबा नाला बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

तालकटोरा में सड़क और नाली का काम

तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र में सड़क और नाली निर्माण का मामला भी बैठक में रखा जाएगा। संयुक्त टीम ने 17 अगस्त को मौके पर जाकर प्रभावित इकाइयों से बात की थी। टीम ने संबंधित इकाइयों को परिसर के अंदर ही लोडिंग-अनलो-डिंग करने और सड़क किनारे रखा सामान हटाने के निर्देश दिए हैं। पहले नाली और उसके बाद सड़क बनाने का सुझाव दिया गया है।

जल जीवन मिशन की समीक्षा में डीएम के सख्त निर्देश

328 परियोजनाओं को समय पर पूरा करने पर जोर, पर्याप्त श्रमिक नहीं लगाने वाली कार्यदायी संस्थाओं का भुगतान रोकने की चेतावनी

आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित 328 एकल ग्राम परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं से परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, अब तक हुए कार्य तथा शेष काम को पूरा करने की कार्ययोजना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने और जिन कार्यों में किसी कारण से देरी हो रही है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर गति देने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में

जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने वाली महत्वपूर्ण योजना है। योजना का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब परियोजनाओं का निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार समय पर पूरा हो और ग्रामीणों को नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही न होने पाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनावश्यक देरी को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। कार्यदायी संस्थाओं को भी निर्धारित समयसीमा के अनुसार काम पूरा करने के लिए लगातार निगरानी और प्रभावी कार्ययोजना के साथ आगे बढ़ने को कहा गया।

पर्याप्त श्रमिक लगाने के निर्देश

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने परियोजनाओं में लगाए जा रहे श्रमिकों की संख्या पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के लिए कार्ययोजना के अनुसार पर्याप्त श्रमिक लगाए जाएं, ताकि परियोजनाओं को समय से पूरा किया जा सके। डीएम ने सख्त निर्देश दिए कि जिन कार्यदायी संस्थाओं की ओर से पर्याप्त संख्या में श्रमिक नहीं लगाए जा रहे हैं, उनके भुगतान को नियमानुसार रोकने की कार्रवाई की जाए।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर

डीएम ने कहा कि परियोजनाओं को जल्द पूरा करने के साथ-साथ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। पाइप-लाइन बिछाने, जलापूर्ति व्यवस्था विकसित करने और अन्य निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर कार्यों का निरीक्षण करने और प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कहा गया कि यदि किसी परियोजना में तकनीकी, संसाधन या अन्य किसी प्रकार की समस्या सामने आती है तो उसका समय रहते समाधान कराया जाए।

बैठक में जिलाधिकारी ने विशेष रूप से लंबित कार्यों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं में काम अपेक्षित गति से नहीं चल रहा है, वहां उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए कार्य की रफ्तार बढ़ाई जाए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को अपनी कार्ययोजना के अनुसार पर्याप्त संसाधन जुटाने और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही अधिकारियों को परियोजनाओं की लगातार मॉनिटरिंग करने और समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों का होगा संयुक्त सर्वे

बैठक में पेयजल आपूर्ति के लिए बिछाई गई पाइपलाइनों के क्षतिग्रस्त होने के मामलों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग और जल निगम के अधिकारियों को क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों का संयुक्त सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे के बाद जहां भी मरम्मत की आवश्यकता हो, वहां तत्काल कार्रवाई की जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित न हो। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को परियोजनाओं की नियमित निगरानी और प्रगति की लगातार समीक्षा सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराने और योजना के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर हासिल करने के निर्देश दिए।

बालिकाओं ने एसपी-सीओ को बांधी राखी

अधिकारियों ने सुरक्षा का भरोसा दिया, गिफ्ट देकर उज्जवल भविष्य की कामना की

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में एसपी कार्यालय में रक्षाबंधन से एक दिन पहले बालिकाओं ने एसपी अर्पित विजयवर्गीय और सीओ सिटी संगम कुमार को राखी बांधी। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने बेटियों की सुरक्षा का भरोसा दिलाया। यह कार्यक्रम भाई-बहन के पवित्र रिश्ते और अपनत्व की खूबसूरत तस्वीर पेश कर रहा था। बालिकाओं ने पुलिस अधिकारियों के स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन की कामना की। इसके जवाब में, अधिकारियों ने उन्हें स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बालिकाओं को उपहार भी भेंट किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने समाज में बेटियों को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी पर जोर दिया। एसपी ने बालिकाओं को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए पुलिस हमेशा तत्पर रहेगी। यह कार्यक्रम केवल राखी बांधने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में छिपे प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संदेश को भी सामने लेकर आया। बालिकाओं ने पुलिस अधिकारियों के साथ आत्मीयता से बातचीत की और उत्साह के साथ पर्व मनाया। एसपी कार्यालय में सौहार्द और अपनत्व का माहौल बना रहा।

फास्ट न्यूज

रक्षाबंधन से पहले उन्नाव के बाजारों में रौनक

उन्नाव। उन्नाव में रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पहले गुरुवार को उन्नाव के बाजारों में चहल-पहल बढ़ गई। राखी, मिठाई और उपहारों की दुकानों पर खरीदार नजर आए। हालांकि, राखी विक्रेताओं ने बिक्री उम्मीद के मुताबिक नहीं होने की बात कही, जबकि मिठाई कारोबारियों ने त्योहार को लेकर अच्छी मांग बताई। बाजार में अलग-अलग डिजाइन और कीमतों वाली राखियां सजी हैं। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली राखियों से लेकर सामान्य और आकर्षक डिजाइन की राखियां उपलब्ध हैं।

शादी से 3 महीने पहले युवक ने फांसी लगाई

हरदोई। हरदोई में शादी की तैयारियों के बीच अरवल थाना क्षेत्र में 27 साल के युवक अरुण ने बुधवार देर शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार, अरुण ने 500 रुपए के लिए अपना मोबाइल गिरवी रख दिया था। इस बात पर उसकी मां ने उसे डांट दिया था। इसके बाद वह घर से चला गया और गांव के पास एक बाग में फांसी लगा ली। गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। अरुण की शादी नवंबर में तय थी। 12 अगस्त को उसकी गोदभराई की रस्म भी हुई थी। शादी की तैयारियों को लेकर परिवार में खुशी का माहौल था।

उन्नाव के स्कूल में कावड़ यात्रा, रक्षाबंधन कार्यक्रम

उन्नाव। उन्नाव के गंगानगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में गुरुवार दोपहर कावड़ यात्रा और रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम सिंह के नेतृत्व में हुए इस आयोजन में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने कावड़ यात्रा, शोभायात्रा और रक्षासूत्र निर्माण के माध्यम से भारतीय संस्कृति, परंपराओं और भाई-बहन के प्रेम का संदेश दिया।

अवैध पनीर फैक्ट्री पर छापा, 516 केजी खोया नष्ट

रक्षाबंधन से पहले 21 हजार का खाद्य पदार्थ नष्ट, 5 नमूने जांच को भेजे

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में रक्षाबंधन पर्व से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी और मानकविहीन खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसी क्रम में बुधवार और गुरुवार को सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय प्रियंका सिंह के नेतृत्व में सचल दल ने नेह पमेधिया गांव में संचालित एक अवैध पनीर निर्माण इकाई पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पता चला कि बिना वैध लाइसेंस के पाउडर से पनीर तैयार किया जा रहा था। टीम ने मौके पर काम बंद कराया और खाद्य पदार्थों के पांच नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने ग्राम पमेधिया निवासी खाद्य कारोबारी सुरेंद्र कुमार पुत्र रामप्रकाश के परिसर में छापेमारी की। जांच में पाया

गया कि परिसर में खाद्य पदार्थों के निर्माण और भंडारण से संबंधित मानकों का पालन नहीं हो रहा था। टीम के अनुसार, वहां मिल्क मिक्स पाउडर और सफेद अपमिश्रक पाउडर का उपयोग करके पनीर बनाया जा रहा था। कारोबारी के पास निर्माण के लिए कोई वैध खाद्य लाइसेंस भी नहीं था। टीम ने मौके पर लगभग 69 किलोग्राम मिल्क मिक्स पाउडर (छेना पाउडर) और सफेद अपमिश्रक पाउडर जब्त किया। जब्त की गई सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 27,600 रुपये बताई गई है।

कार्रवाई के दौरान टीम ने तैयार और अर्द्धनिर्मित खाद्य सामग्री को भी मौके पर ही नष्ट कराया। विभाग के मुताबिक, कुल 21,750 रुपये मूल्य की खाद्य सामग्री नष्ट की गई। इसमें 35 किलोग्राम मिलावटी पनीर शामिल है, जिसकी अनुमानित कीमत 11,550 रुपये है। इसके अतिरिक्त, 120 लीटर अर्द्धनिर्मित पनीर (कीमत करीब 7,200 रुपये) और 50 लीटर गाय का दूध (कीमत करीब 3,000 रुपये) भी नष्ट किया गया। जांच के लिए टीम ने मिल्क मिक्स पाउडर, सफेद पाउडर (अपमिश्रक), पनीर और गाय के दूध के दो नमूनों सहित कुल पांच नमूने एकत्र किए। सभी नमूनों को सील करके प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है।

उन्नाव में मिशन शक्ति केंद्रों की सेवाओं और सहायता की जानकारी दी

छात्राओं ने सीखे साइबर अपराध से बचाव के गुर

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के मोतीनगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, पीएम श्री विद्यालय में गुरुवार दोपहर मिशन शक्ति साइबर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह की अध्यक्षता में हुई संगोष्ठी में छात्राओं को महिला सुरक्षा, मिशन शक्ति केंद्रों की सेवाओं और साइबर अपराध से बचने के उपाय बताए गए।

कार्यक्रम में छात्राओं को 'Know Your MSK, Meet Your MSK, Find Your MSK और Ask Your MSK' के माध्यम से मिशन शक्ति केंद्रों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि किसी

परेशानी या शिकायत की स्थिति में छात्राएं अपने नजदीकी मिशन शक्ति केंद्र से सहायता ले सकती हैं। संगोष्ठी के दौरान मिशन शक्ति और साइबर टीम के अधिकारियों ने छात्राओं से सीधा संवाद किया। छात्राओं ने महिला सुरक्षा और साइबर अपराध से जुड़े सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने जवाब दिया। अधिकारियों ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र केवल जागरूकता कार्यक्रमों तक सीमित नहीं हैं। यहां महिलाओं और बालिकाओं की समस्याओं को समझकर उन्हें आवश्यक परामर्श, पुलिस सहायता, साइबर सहायता और अन्य सेवाओं से जोड़ा जाता है।

ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े जोखिमों के प्रति जागरूक

साइबर टीम ने छात्राओं को सोशल मीडिया इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्हें साइबर स्टॉकिंग, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, मॉर्फिंग, एआई डीपफेक, अनचाहे मैसेज और ऑनलाइन ठगी जैसे मामलों के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही सेक्सटॉर्शन, फोटो के जरिए ब्लैकमेलिंग, साइबर बुलिंग और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े जोखिमों के प्रति भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि सोशल मीडिया पर अजनबियों से बातचीत करने, निजी जानकारी साझा करने और अपनी लोकेशन सार्वजनिक करने से बचना चाहिए। साइबर अपराध होने पर घबराने के बजाय चैट, फोटो, स्क्रीनशॉट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखना चाहिए और तत्काल पुलिस या संबंधित सहायता केंद्र से संपर्क करना चाहिए।

हरदोई में किसान की करंट लगने से मौत

फर्राटा पंखे का तार लगाते समय झुलसा, अस्पताल में दम तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के माधौगंज थाना क्षेत्र के में फर्राटा पंखे का तार लगाते समय करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई। 41 वर्षीय यूसुफ को परिजन तत्काल अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह घटना बुधवार देर शाम भीषण गर्मी के बीच हुई। बुधवार की रात 8 बजे मेडिकल कॉलेज में किसान यूसुफ को मृत घोषित किया गया। गुरुवार की दोपहर 1:30 बजे शव का पंचनामा भरा गया मृतक के बड़े भाई खुर्शीद ने बताया कि बुधवार देर शाम परिवार के सभी सदस्य घर पर बैठे थे और गर्मी बहुत अधिक थी। यूसुफ कमरे में रखे फर्राटा पंखे को चालू करने के लिए उठे। जैसे ही उन्होंने पंखे का नंगा तार

बिजली के बोर्ड में डाला, उन्हें तेज करंट लगा और वे झुलसकर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर परिजन तुरंत कमरे की ओर भागे और किसी तरह यूसुफ को छुड़ाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) माधौगंज ले गए। वहां डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। हालांकि, रात करीब 8 बजे इलाज के दौरान यूसुफ की मौत हो गई। यूसुफ खेती-किसानी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

रामपुर में 76 किलो पनीर-00 लीटर मक्खियों वाला दूध मिला

खाद्य विभाग ने गड्ढा खुदवाकर कराया नष्ट, प्रतिष्ठान का लाइसेंस रद्द

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर। रामपुर के शाहबाद क्षेत्र के खरसोल गांव में गुरुवार दोपहर खाद्य विभाग की टीम ने पनीर बनाने वाले प्रतिष्ठान पर छापेमारी की। जिला अभिहित अधिकारी संजीव सिंह के मुताबिक, मौके पर साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब मिली। जांच के दौरान 76 किलो पनीर बरामद हुआ, जिससे तेज बदबू आ रही थी। वहीं 100 लीटर दूध में मक्खियां पड़ी मिलीं। जिला अभिहित अधिकारी ने बताया कि खरसोल में फरजन अली बड़े पैमाने पर पनीर तैयार कर उसकी आपूर्ति करते हैं। टीम ने मौके से पनीर, दूध और अन्य 10 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है। खराब स्थिति को

देखते हुए खाद्य विभाग की टीम ने करीब 76 किलो पनीर और 100 लीटर दूध को मौके पर ही नष्ट करा दिया। इसके लिए गड्ढा खुदवाकर खाद्य सामग्री को जमीन में दबाया गया। नष्ट किए गए पनीर और दूध की अनुमानित कीमत 30,460 रुपए बताई गई है। कार्रवाई के दौरान प्रतिष्ठान का लाइसेंस भी निरस्त कर दिया गया।

संजीव सिंह ने बताया कि रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए खाद्य विभाग की टीमें पूरे जिले में सक्रिय हैं। टांडा, स्वार, मिलक, शाहबाद और बिलासपुर समेत उन क्षेत्रों में विशेष निगरानी की जा रही है, जहां बड़े पैमाने पर पनीर का उत्पादन होता है। अधिकारी ने बताया कि खाद्य विभाग की कार्रवाई के बाद कई पनीर प्रतिष्ठानों पर ताले लगे मिले हैं। अब ऐसे प्रतिष्ठानों की भी निगरानी की जा रही है, ताकि संचालक दूसरे स्थानों पर पनीर तैयार कर बिक्री न कर सकें। खाद्य विभाग ने स्पष्ट किया कि दूध, पनीर और मानव स्वास्थ्य से जुड़े अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग की टीमें लगातार प्रतिष्ठानों की जांच कर रही हैं और नियमों का उल्लंघन मिलने पर सख्त कदम उठाए जाएंगे।

हरदोई में युवक की संदिग्ध हालात में मौत

चारपाई पर मिला शव, गर्दन गमछे से बांस से बंधी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद के बघौली थाना क्षेत्र के नयापुरवा मजरा कोट गांव में 26 वर्षीय युवक विजय कुमार उर्फ गिल्लू का शव गुरुवार की सुबह करीब 8:30 बजे संदिग्धावस्था में उसके घर के छप्पर के नीचे चारपाई पर मिला। युवक की गर्दन छप्पर के बांस से बंधे गमछे से कसी हुई थी। घटना को लेकर लोग तरह-तरह की चर्चाएं करते रहे। मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक के पिता लज्जाराम ने बताया कि बुधवार को वह अपनी पत्नी लज्जावती के साथ सुरसा थाने के तुर्तीपुर स्थित अपनी बहन के घर गए हुए थे। उनका बड़ा बेटा गुड्डू काम के सिलसिले में लखनऊ में था, जिससे विजय घर पर अकेला था। गुरुवार सुबह पड़ोसियों ने उन्हें बेटे के फांसी लगाने की सूचना दी।

माता-पिता के घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि शव चारपाई पर पड़ा था और गर्दन गमछे से बंधी थी। लज्जाराम ने दावा किया कि उनका बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता। उन्होंने गांव में चल रही पुरानी रंजिश का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके परिवार को पहले भी धमकियां मिली थीं और इसी रंजिश के चलते उनके बेटे के साथ कोई अनहोनी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंतजाम : उन्नाव जेल में बन्द कैदियों को बहने बंधेगी राखियां, अंदर ही मिलेगी मिठाई

महिला बंदियों की राखियां सीमा पर तैनात जवानों को भेजीं

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव जिला जेल में रक्षाबंधन पर्व को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शुक्रवार को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर जेल प्रशासन ने बंदियों और उनके परिजनों की मुलाकात को लेकर विशेष इंतजाम किए हैं। इस बार जेल में बंद महिला कैदियों ने अपने हाथों से राखियां तैयार की हैं, जिन्हें देश की सीमाओं पर तैनात सेना के जवानों के लिए भेजा गया है। जेल अधीक्षक नीरज देव के अनुसार, महिला बंदियों से राखियां तैयार कराने की पहल जिलाधिकारी घनश्याम मीणा के सुझाव पर की गई। इसका उद्देश्य रक्षाबंधन के अवसर पर महिला बंदियों की रचनात्मक भागीदारी के साथ देश की रक्षा में जुटे जवानों के प्रति सम्मान और भाईचारे का संदेश देना है। रक्षाबंधन पर जेल में बंद भाइयों

से मिलने आने वाली बहनों के लिए जेल प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। मुलाकात के दौरान उन्हें चंदन, टीका, रोली, राखी का धागा और मिठाई उपलब्ध कराई जाएगी। जेल अधीक्षक ने बताया कि रक्षाबंधन जेल के लिए महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन बड़ी संख्या में बहनें अपने भाइयों से मिलने और उन्हें राखी बांधने के लिए जेल पहुंचती हैं। इसे देखते हुए मुलाकात की प्रक्रिया को व्यवस्थित रखने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं। वर्तमान में उन्नाव जिला जेल में करीब 800 पुरुष बंदी निरुद्ध हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर इनसे मिलने और राखी बांधने के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं के पहुंचने की संभावना है। संभावित भीड़ को देखते हुए जेल प्रशासन ने सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण की तैयारी की है।

10 महिला पुलिसकर्मी और महिला एसआई की मांग

जेल अधीक्षक के मुताबिक, जेल में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या पर्याप्त नहीं है। ऐसे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से अतिरिक्त महिला पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। रक्षाबंधन के दौरान करीब 10 महिला पुलिसकर्मियों और एक महिला सब-इंस्पेक्टर को विशेष ड्यूटी पर तैनात करने की मांग की गई है। अतिरिक्त पुलिस बल मिलने से महिला मुलाकातियों की जांच और प्रवेश व्यवस्था को बेहतर तरीके से संभालने में मदद मिलेगी।

जांच से लेकर मुलाकात तक रहेगी कड़ी निगरानी

जेल अधीक्षक नीरज देव ने बताया कि महिला बंदियों द्वारा बनाई गई राखियां सीमा पर तैनात जवानों तक भेजने का उद्देश्य जेल के भीतर सुधार और सकारात्मक गतिविधियों का संदेश समाज और जवानों तक पहुंचाना है। प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा के साथ-साथ बहनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

रक्षाबंधन के दिन विशेष पुलिस बल की मौजूदगी में मुलाकातियों की जांच, प्रवेश और मुलाकात की प्रक्रिया कराई जाएगी। जेल प्रशासन ने कर्मचारियों को भी अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी हैं, ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो। प्रशासन का प्रयास है कि बहनों को अपने भाइयों से शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में राखी बांधने का अवसर मिले और पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी बनी रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही को लेकर डीएम हुए सख्त

बोले- सभी डॉक्टर समय पर अस्पताल पहुंचें, पूरी ओपीडी करें

डीएम ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले किसी भी चिकित्सक या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक गुरुवार को विकास भवन सभागार में डीएम घनश्याम मीना की अध्यक्षता में हुई। बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने, सरकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट

किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले किसी भी चिकित्सक या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा। सभी डॉक्टरों को समय पर अस्पताल पहुंचने और निर्धारित समय तक मौजूद रहकर मरीजों को उचित उपचार देने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन, संचारी रोग नियंत्रण, जननी सुरक्षा योजना, आयुष्मान गोल्डन कार्ड और आशा-संगिनी के भुगतान सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। डीएम ने हाई रिस्क वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान करने और उनकी समय पर ब्लड, ब्लड प्रेशर, वजन तथा हीमोग्लोबिन की जांच कराने के निर्देश दिए। उनके उपचार पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। डीएम ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि प्रसव स्थलों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने सरकारी अस्पतालों में प्रसव कराने पर जोर दिया और निजी संस्थानों में होने वाले प्रसवों की गहन जांच के आदेश दिए। कम वजन वाले नवजात बच्चों की बेहतर देखभाल और उनकी आवश्यक जांच समय पर कराने के निर्देश भी दिए गए।

सम्पादकीय

अमेरिका की मनमानी

अमेरिका ने दुनिया भर में वीजा आवेदनों पर रोक लगाकर न केवल अप्रत्याशित फैसला लिया, बल्कि अपने मनमानेपन का भी परिचय दिया। वीजा आवेदन रोकने का फैसला घरेलू सुरक्षा को मजबूत करने के बहाने लिया गया है, लेकिन इसकी आड़ में अमेरिका अपनी वीजा नीति में ऐसे बदलाव कर सकता है, ताकि लोगों को अमेरिका आने से रोका जा सके। इससे आगे चलकर उसे ही नुकसान हो सकता है, क्योंकि दुनिया भर के प्रतिभाशाली लोग वहां पहुंचते हैं और उसकी समृद्धि में सहायक बनते हैं। इनमें बड़ी संख्या में भारतीय भी होते हैं। अमेरिकी प्रशासन के नवीनतम फैसले से भारतीयों पर बड़ा असर पड़ने की आशंका है। अमेरिकी प्रशासन ने हाल में वीजा फीस बढ़ाने के साथ उससे संबंधित नीतियों में ऐसे बदलाव किए हैं, जिनका बुरा असर खास तौर पर भारतीयों पर पड़ा है। एक समाचार के अनुसार अमेरिका के कालेजों में एडमिशन के लिए आवेदन करने वाले भारतीय छात्रों की संख्या पिछले साल के मुकाबले 15 प्रतिशत घटी है। अमेरिका केवल इसके ही प्रबंध नहीं कर रहा है कि दूसरे देशों से कम से कम लोग आएं, बल्कि वह अपने यहां पढ़ाई और नौकरी कर रहे लोगों के समक्ष भी मुश्किलें खड़ी कर रहा है।

एक समय जो अमेरिका यह सुनिश्चित करता था कि विश्व भर से प्रतिभाएं उसके यहां आएं, वह ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद फिर से महान बनने के नाम पर अपना अहित करने के साथ मित्र एवं सहयोगी देशों को तंग करने वाले फैसले ले रहा है। यह एक तथ्य है कि ट्रंप मित्र एवं सहयोगी देशों के लिए खास तौर पर परेशानी खड़ी कर रहे हैं। उनकी मनमानी टैरिफ नीति से सबसे अधिक प्रभावित देशों में अमेरिका के मित्र और सहयोगी देश ही हैं, जैसे कनाडा, दक्षिण कोरिया, जापान, भारत आदि। उन्होंने अपनी मनमानी विदेश नीति से भी यूरोप समेत अन्य मित्र देशों को तंग कर रखा है। गत दिवस अमेरिका ने ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की जो घोषणा की, उससे प्रभावित होने वाले देशों में भारत भी है। अमेरिका हर मामले में मनमानी इसीलिए कर पा रहा है, क्योंकि डालर वैश्विक मुद्रा बनी हुई है। चूंकि अन्य मुद्राओं की तुलना में डालर कहीं अधिक मजबूत है, इसलिए अमेरिका उसका इस्तेमाल हथियार की तरह करने में लगा हुआ है। विश्व को यह समझना होगा कि अमेरिका डालर पर उसकी निर्भरता का बेजा लाभ उठा रहा है। चूंकि अमेरिका हर उस देश को छल-बल से निशाना बनाता है जो डालर के बजाय अन्य किसी मुद्रा में व्यापार करने की कोशिश करता है, इसलिए उसकी चौधराहट को चुनौती देने के लिए प्रमुख राष्ट्रों को एकजुट होना होगा। यदि ऐसा नहीं किया जाता तो अमेरिका संयुक्त राष्ट्र को धता बताकर अपनी मनमानी करता ही रहेगा।

डोभाल की कूटनीति और भारत चीन संबंधों की नई करवट

> अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है।

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वार्ताकार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए। डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं।

ललित गर्ग

इन 9.5 वर्षों में ...

आदर अदीब पावेल बन्धु

कानून व्यवस्था के नए मानक गढ़ता भयमुक्त सुरक्षित उत्तर प्रदेश

प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले 9.5 वर्षों में कानून व्यवस्था के क्षेत्र में व्यापक और ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिला है। वर्ष 2017 में शुरू हुई सुशासन और जीरो टॉलरेंस की नीति ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को नई दिशा दी। अपराध और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई, पुलिसिंग के आधुनिकीकरण, तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल, त्वरित न्याय, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध नियंत्रण के लिए किए गए प्रयासों ने उत्तर प्रदेश को भयमुक्त और सुरक्षित प्रदेश बनाने की दिशा में मजबूत आधार प्रदान किया है। इन 9.5 वर्षों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि जब शासन की प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा और सम्मान हो तो कानून व्यवस्था में व्यापक बदलाव संभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालने के बाद स्पष्ट किया कि प्रदेश में कानून का राज सर्वोपरि होगा और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। इसी नीति के तहत पुलिस व्यवस्था को मजबूत किया गया और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की गई। वहीं, सात बड़े महानगरों में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने से पुलिसिंग अधिक प्रभावी हुई तथा

जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण और अपराध नियंत्रण में गुणात्मक सुधार आया।

इन 9.5 वर्षों में प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक शांति को भी मजबूती मिली है। वर्ष 2017 से अब तक सांप्रदायिक दंगा या जातिगत संघर्ष की कोई घटना नहीं हुई। यह उपलब्धि बताती है कि सरकार ने कानून व्यवस्था के साथ सामाजिक समरसता और शांति को भी समान प्राथमिकता दी है। इस दौरान दुर्दांत अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की गई। अब तक 303 अपराधी मुठभेड़ में मारे गए तथा 12,202 घायल हुए। 23,601 इनामी अपराधियों को जेल भेजा गया। 87,835 अपराधियों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट तथा 995 अपराधियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई। गैंगस्टर एक्ट के तहत 152 अरब 33 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की चल-अचल अवैध संपत्तियों का जब्तीकरण किया गया। चिन्हित माफिया और उनके गिरोह के सदस्यों तथा सहयोगियों के विरुद्ध भी सरकार ने निर्णायक कार्रवाई की। 1,494 लोगों के विरुद्ध 909 अभियोग पंजीकृत किए गए और 651 गिरफ्तारियां हुईं। 18 के विरुद्ध एनएसए तथा 802 के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। माफिया और अपराधियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित 4,309 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। इस कार्रवाई ने अपराध की समानांतर अर्थव्यवस्था पर प्रभावी प्रहार किया और अपराधियों के आर्थिक साम्राज्य को कमजोर किया। अपराध नियंत्रण की सफलता केवल कार्रवाई के आंकड़ों में नहीं अपितु अपराधों में आई कमी में भी दिखाई देती है। वर्ष 2016 की तुलना में डकैती में 84.75 प्रतिशत, लूट में 82.75 प्रतिशत, हत्या में 44.75 प्रतिशत, बलवा में 70.23 प्रतिशत, फिरौती के लिए अपहरण में 62.07 प्रतिशत, दहेज हत्या में 21.36 प्रतिशत तथा बलात्कार की घटनाओं में 58.17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। ये आंकड़े पिछले 9.5 वर्षों में कानून व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलाव को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। महिला सुरक्षा को सरकार ने विशेष प्राथमिकता दी है। प्रदेश में सात नए महिला थाने, 78 महिला पुलिस चौकी परामर्श केंद्र तथा बड़ी संख्या में नए थाने और पुलिस चौकियां स्थापित की गई हैं। महिलाओं और कमजोर वर्गों के प्रति अपराधों पर त्वरित कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस तंत्र को अधिक संवेदनशील बनाया गया है। मानव तस्करी की रोकथाम के लिए 75 एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थानों में परिवर्तित की गई हैं। आपातकालीन पुलिस सहायता व्यवस्था यूपी-112 को भी पिछले 9.5 वर्षों में अत्याधुनिक बनाया गया है। वर्ष 2017 से 30 जून 2026 तक 7,16,84,344 आपात सहायता इवेंट तैयार कर नागरिकों को सहायता प्रदान की गई। वर्ष 2026 में यूपी-112 का रिस्पांस टाइम घटकर केवल 6 मिनट 11 सेकेंड रह गया।

प्रदेश के लोक...

केवल

प्रदेश सरकार ने प्रदेश में स्थित आस्था स्थलों का कायाकल्प कर सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर दिया है बल

उत्तर प्रदेश की पहचान इसकी समृद्ध संस्कृति, गौरवशाली विरासत, उत्कृष्ट इतिहास और प्रगतिशील सोच से है। यह भूमि कला, साहित्य, संगीत और धर्म की महान विभूतियों की जन्मस्थली रही है। प्रदेश का संस्कृति विभाग समृद्ध इतिहास के संरक्षण, संवर्धन और विकास हेतु सतत् प्रयासरत है, ताकि इसकी बिरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रह सके।

प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में संस्कृत्ति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश की मूर्त-अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं धरोहरों को संरक्षित संवर्धित एवं जनमानस में प्रचारित-प्रसारित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। एडॉप्ट-ए-हेरिटेज नीति अपनी धरोहर, अपनी पहचान के अंतर्गत अभिरुचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से अब तक 04 स्मारकों पर स्मारक मित्र के रूप में 05 वर्ष के लिए एम.ओ.यू. संपादित किया जा चुका है। प्रदेश सरकार प्रदेश की प्राचीन धरोहरों का बृहद अनुरक्षण कार्य भी करा रही है।

प्रदेश के लोक कलाकारों और उनकी प्रतिभा को देश दुनिया के समक्ष लाने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा वृहद स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में जहां सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजनों की संख्या मात्र 415 थी वहीं, वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हजारों कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित कराये जा रहे है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले लगभग 300 कलाकारों द्वारा कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया जाता था। 2017 के बाद ''उत्तर प्रदेश संस्कृति उत्सव'' के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में भी कलाकारों को खोज कर उनका पंजीकरण कराया गया। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की आर्टिस्ट डायरेक्टरी में अब तक कुल 9532 कलाकार दलों का पंजीकरण हो चुका है जिसमें लगभग 24,750 कलाकार पंजीकृत हो चुके हैं।

उत्तर प्रदेश धार्मिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक स्थलों सहित विभिन्न सांस्कृतिक महत्वों का केन्द्र होने के कारण देश-विदेश के पर्यटक आकर्षित होकर प्रदेश में आते है। वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश में कुल 01 अरब 58 करोड़ से अधिक पर्यटक भ्रमण हेतु उत्तर प्रदेश में आकर पर्यटक स्थलों का भ्रमण किया है। उत्तर प्रदेश को घरेलू पर्यटक आगमन में देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

प्रदेश सरकार महापूरूषों तथा राष्ट्रनायकों को युवा पीढ़ी से जोड़ने तथा सांस्कृतिक पुनरोत्थान का कार्य कर रही है, ताकि भावी पीढ़ी अपने महापुरुषों एवं राष्ट्रनिर्माताओं पर गर्व कर सके। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल की स्थापना करते हुए तीन महापुरुषों, राष्ट्रनायकों की कांस्य प्रतिमा स्थापित की गयी है, जिसका उद्घाटन देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिसम्बर, 2025 को किया है।

प्रदेश सरकार ने कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को अनुदान दिये जाने की व्यवस्था की है। गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण किया गया है। सिंधी समाज के सिंधु दर्शन के तीर्थ यात्रियों के लिए 20 हजार रुपये प्रतियात्री अनुदान दिये जाने की व्यवस्था की गई है।

आकाश छूने को तैयार नई पीढ़ी

इस समय जेन-जी बहुत चर्चा में है। पिछले दिनों एक बैठक में इस नई पीढ़ी पर चर्चा चल निकली। किसी ने इनकी कार्यशैली के लिए मोबाइल को दोषी ठहराया तो किसी ने बदल रहे संस्कारों पर चिंता व्यक्त की। एक सज्जन ने बेहद सहजता से कहा, अरे, ये जेन-जी लोग उनके ये शब्द मेरे मन में गहराई तक ठहर गए। ये जेन-जी लोग का 'ये' शब्द मुझे बेचैन करता रहा। ऐसा क्यों हुआ कि हमारे और हमारे बच्चों के बीच दूरी दर्शाने वाला 'ये' शब्द खड़ा हो गया? जब देश के प्रधानमंत्री युवाओं को मेरे युवा मित्र कहकर संबोधित करते हैं, तो उसके पीछे गहरी दृष्टि छिपी होती है। वह दृष्टि युवा को खुद से सामने कुर्सी पर बैठाने की नहीं, बल्कि अपने पास बैठाने की होती है। वह युवा को संवाद का बराबर का साथी मानने का भाव है। जेन-जी को लेकर हमारी सबसे बड़ी उलझन वह पुराना और संकुचित चश्मा है जिसके जरिये हम उन्हें देखने की कोशिश कर रहे हैं। हर नई पीढ़ी अपने समय से कड़े सवाल करती रही है। वह हर बात पर पूछती है कि ऐसा क्यों है? जब महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता को सर्वोच्च और एकमात्र ध्येय मान लिया था, तब वे भी युवा ही थे, लेकिन उनके भीतर वही ज्वाला धधक रही थी, जो आज के युवाओं में है- व्यवस्थाओं को जस का तस स्वीकार न करने की जिद। युवा जानना चाहते हैं कि जो नियम तय किए गए हैं, वे वैसे ही क्यों हैं? यही प्रश्न पुरानी पीढ़ी को चुभने वाले लगते हैं। कल जब हम युवा थे, तब हमारे द्वारा पूछे गए प्रश्न हमारे बुजुर्गों को बेचैन कर देते थे। इस अंतर को हम साधारण शब्दों में जेनरेशन गैप यानी पीढ़ियों का अंतर कहते हैं। नई पीढ़ी पर आरोप है कि यह मोबाइल स्क्रीन में डूबी रहती है, लेकिन आरोप का एक सिरा हमारी ओर मुड़ता नजर आता है। क्या हमारे बच्चे हमें हाथ में कोई पुस्तक लिए देखते हैं? क्या खाने की टेबल पर स्मार्टफोन हमसे दूर रहता है? क्या हमने कभी उन्हें गांव की कच्ची पगडंडियों पर घुमाया है? क्या उन्हें दादी-नानी की स्मृतियों में छिपी पारिवारिक कथाएं सुनाई हैं? हमें एक कड़ा प्रश्न स्वयं से भी पूछना होगा- हमने मोबाइल फोन के बाहर की दुनिया को उनके लिए कितना सुंदर और आकर्षक बनाकर दिखाया है?

- सुनील बंसल

जरा हटके

मिशन की संपूर्ण ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

अमेठी में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से संवरी रेनू देवी की जिंदगी, स्वयं सहायता समूह ने बनाया आत्मनिर्भर

प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत निर्धन एवं वंचित वर्ग की महिलाओं के सर्वांगीण सामाजिक-आर्थिक उत्थान के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन आज धरातल पर व्यापक एवं दूरगामी परिवर्तन ला रहा है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार के समन्वित दृष्टिकोण के अनुरूप ग्रामीण महिलाओं को केवल आर्थिक रूप से सक्षम बनाना ही नहीं, अपितु उन्हें निर्णय लेने की क्षमता, सामुदायिक नेतृत्व और सतत स्वावलंबन से युक्त करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। ग्रामीण अंचल के पारंपरिक सामाजिक ढांचे में महिलाओं की आर्थिक सक्रियता को बढ़ाने के लिए स्वयं सहायता समूहों के गठन और उनके क्षमता संवर्धन की एक सुव्यवस्थित संस्थागत प्रणाली स्थापित की गई है। इस वृहद अभियान के अंतर्गत राज्य के सभी जनपदों में त्रिस्तरीय सामुदायिक संस्थागत ढांचे का निर्माण किया गया है। ग्राम स्तर पर दस से पंद्रह महिलाओं को जोड़कर प्राथमिक स्वयं सहायता समूहों का गठन किया जाता है। इन प्राथमिक समूहों को संगठित कर ग्राम संगठन और न्याय पंचायत अथवा विकास खंड स्तर पर संकुल स्तरीय संघों का सुदृढ़ नेटवर्क स्थापित किया गया है। यह व्यवस्था ग्रामीण महिलाओं को एक ऐसा लोकतांत्रिक और संस्थागत मंच प्रदान करती है, जहां वे अपनी सामूहिक शक्ति के माध्यम से न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता हासिल करती हैं, बल्कि विभिन्न सामाजिक विषयों पर भी संगठित होकर कार्य करती हैं।

मिशन की संपूर्ण कार्यप्रणाली पांच मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित है, जिसे पंचसूत्र के रूप में अंगीकार किया गया है। इसके अंतर्गत समूह की नियमित साप्ताहिक बैठकें सुनिश्चित करना, सदस्यों द्वारा अनिवार्य रूप से अल्प बचत करना, समूह के भीतर सदस्यों की आवश्यकतानुसार नियमित आंतरिक लेन-देन करना, लिए गए ऋण की समयबद्ध अदायगी सुनिश्चित करना तथा समस्त वित्तीय गतिविधियों का पारदर्शी लेखा-जोखा नियमित रूप से संधारित करना अनिवार्य किया गया है। यह पंचसूत्रीय व्यवस्था ग्रामीण महिलाओं में वित्तीय अनुशासन, पारस्परिकता और बैंकिंग प्रक्रियाओं की गहरी समझ विकसित करने में आधारशिला का कार्य करती है।

समूहों के गठन और प्रारंभिक अनुशासन के सत्यापन के उपरांत प्रदेश सरकार द्वारा उन्हें प्रारंभिक कार्यशील पूंजी के रूप में रिवाल्विंग फंड उपलब्ध कराया जाता है। इसके पश्चात उनकी आजीविका योजनाओं को गति देने और सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना हेतु सामुदायिक निवेश निधि प्रदान की जाती है। इसके साथ ही राष्ट्रीयकृत बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों के साथ समूहों का सघन बैंक लिंकेज स्थापित कराया जाता है। इस वित्तीय व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को साहूकारों और अनौपचारिक ऋणदाताओं के अत्यधिक ब्याज दर वाले चंगुल से पूर्णतः मुक्ति मिली है और उन्हें अत्यंत रियायती दरों पर संस्थागत ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। जनपद अमेठी में जिला प्रशासन के सतत पर्यवेक्षण, रणनीतिक मार्गदर्शन और प्रभावी अनुश्रवण के फलस्वरूप इस मिशन ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गतिशीलता प्रदान की है। जिला प्रशासन द्वारा जनपद के समस्त विकास खंडों में मिशन के कार्यों की नियमित मासिक और पाक्षिक समीक्षा की जाती है। अंतिम पायदान पर खड़ी महिलाओं तक योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर तक प्रशासनिक तंत्र को सक्रिय किया गया है। जनपद में महिलाओं को आजीविका के नए स्रोतों से जोड़ने, उनके कौशल विकास हेतु विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने और बैंकों के माध्यम से ऋण वितरण की प्रक्रिया को सुगम बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। जनपद अमेठी के विकास खंड संग्रामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भौसिंहपुर का उदाहरण इस परिवर्तनकारी प्रक्रिया का सजीव प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसी ग्राम पंचायत की निवासी रेनू देवी का जीवन संघर्ष से सफलता की ओर अग्रसर होने की एक अत्यंत प्रेरक गाथा है। रेनू देवी एक साधारण ग्रामीण परिवार से संबंध रखती हैं और उन्होंने आठवीं कक्षा तक की औपचारिक शिक्षा प्राप्त की है। कुछ वर्ष पूर्व तक उनका परिवार अत्यधिक आर्थिक तंगी और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था। परिवार के भरण-पोषण की संपूर्ण जिम्मेदारी उनके पति की अनियत मजदूरी पर टिकी हुई थी, जिससे होने वाली आय दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भी अपर्याप्त सिद्ध होती थी।

मजदूरी से मिलने वाली अल्प और अनियमित आय के कारण परिवार का घरेलू बजट निरंतर संकट में रहता था। ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों की कमी और स्वरोजगार के अवसरों का अभाव उनके समक्ष एक बड़ी बाधा बना हुआ था। इसी विषम परिस्थिति के बीच ग्राम पंचायत में संचालित आजीविका मिशन के प्रचार-प्रसार और जागरूकता बैठकों के माध्यम से रेनू देवी को महिला स्वयं सहायता समूहों के महत्व की जानकारी प्राप्त हुई। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संचालित इस कल्याणकारी अभियान से प्रेरित होकर उन्होंने फरवरी 2023 में गांव के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की सदस्यता ग्रहण की। समूह से जुड़ना उनके व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में एक सकारात्मक मोड़ साबित हुआ, जिसने उनकी सोच और आत्मविश्वास को नई दिशा प्रदान की। समूह की नियमित बैठकों में प्रतिभाग करते हुए रेनू देवी ने बैंकिंग लेन-देन, वित्तीय प्रबंधन, नियमित अल्प बचत के महत्व, ऋण के समुचित उपयोग और पुनर्भुगतान की बारीकियों को भली-भांति समझा। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विभिन्न क्षमता संवर्धन और उद्यमिता विकास सत्रों के माध्यम से उनमें व्यावसायिक दृष्टि का विकास हुआ। सामूहिक विचार-विमर्श और अन्य सदस्यों के परस्पर सहयोग ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि यदि सुनियोजित ढंग से कार्य किया जाए, तो सीमित संसाधनों में भी स्वावलंबन का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

बच्चे ही देश चलाएंगे : अमरप्रीत सिंह

गोरखपुर में पत्नी के साथ पहुंचे, छात्रों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक्शन दिखाया

स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर शहर से करीब 30km दूर माथाबारी गांव में गुरुवार को एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह पत्नी सरिता के साथ पहुंचे। यहां सरस्वती गुरुकुल में फूल बरसाकर उनका स्वागत किया गया। एयर चीफ मार्शल ने कहा- यही बच्चे एक दिन देश को चलाएंगे। गुरुकुल में बनाई गई लाइब्रेरी का एयर चीफ मार्शल की पत्नी ने शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाटक का मंचन किया। पहले पहलगाम में आतंकी हमले फिर भारत का आर्मी एक्शन दिखाया गया। इस दौरान भारत माता की जय के भी जयकारे लगे। एयर चीफ मार्शल ने कहा- आप बच्चों को जो

भी बनाएं, लेकिन सबसे पहले हमें एक अच्छा इंसान बनना है। अगर अच्छा इंसान उन्हें बना पाएंगे तो आगे जाकर वो अच्छा काम करेंगे। सभी के नाम के आगे अगर उसके सपनों का सरनेम है तो उसका मिडिल नेम इंसान रख दिया जाए। जैसे मोहित इंसान डॉक्टर, अर्पिता इंसान आईएएस।

> एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने कहा- जब भी किसी स्कूल में यंग जनरेशन से मिलो तो बहुत खुशी होती है। आप सब लोग देश का भविष्य हैं। यह देश कुछ अच्छा करता है तो भी आपके कारण ही होगा। अच्छा नहीं करता है तो भी आपके कारण होगा। आप सबको बड़े होकर इस देश को चलाना है।

यंग जनरेशन से मिलकर बहुत खुशी होती है

बच्चे जब कोई खंभा गाड़ते हैं तो पहले गड्ढा खोदते हैं। फिर खंभा गाड़ने के बाद उसके अगल-बगल कंक्रीट डाला जाता है। उसके सूखने पर खंभे को चाहे जितना हिलाओ, नहीं हिलेगा। क्योंकि, उसकी जड़ मजबूत हो जाती हैं। आज जब आप पढ़ रहे हों, वह आपकी जड़ है। बड़े होकर आप कितने काबिल बनोगे, वह इसी जड़ पर निर्भर करेगा।

आजादी की कीमत के बारे में बच्चों को बताते रहिए

एयर चीफ मार्शल ने बच्चों के माता-पिता और शिक्षकों से कहा- देश के बारे में बच्चों को नहीं बताएंगे तो कल जब उन्हें बड़े होने पर यह पता नहीं चलेगा कि हमारा देश क्या है। तब उन्हें आजादी की कीमत नहीं पता चलेगी। इसलिए ये बात बार-बार बताना बड़ों का कर्तव्य है। आज बच्चों को जो सिखाया जा रहा, उसे अच्छे से सीखे। जो टीचर बोलें, घर में माता-पिता बोलें, उसे करना है। आप अभ्यास करोगे तो अच्छा बनोगे। कोशिश हमेशा जारी रहनी चाहिए। एक बार आपने ठान लिया, तो उसके लिए प्रयास करते रहें।

मऊ में रक्षाबंधन पर सुरक्षा बढ़ाई गई

मऊ। मऊ में रक्षाबंधन पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस ने जिले में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। राखी बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थानों और प्रमुख मार्गों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। महिलाओं की सुरक्षा और शरारती तत्वों पर नजर रखने के लिए सिविल ड्रेस में भी पुलिसकर्मी लगाए गए हैं। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर दर्जनों महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी कमलेश बहादुर और अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार को रक्षा सूत्र बांधा और पर्व की शुभकामनाएं दीं। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। एसपी कमलेश बहादुर ने बताया कि शुक्रवार को होने वाले रक्षाबंधन पर्व को लेकर सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। राखी बाजारों और महिलाओं की खरीदारी वाले प्रमुख स्थानों पर विशेष पुलिस ड्यूटी लगाई गई है। महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है।

बारिश में भी नहीं रुकीं मीनाक्षी भराला

भाइयों की सुरक्षा के लिए हाईवे पर बांटे हेलमेट, रक्षाबंधन पर अनूठी पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। रक्षाबंधन के पर्व पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला ने भाई-बहन के रिश्ते को सड़क सुरक्षा के संदेश से जोड़ते हुए अनूठी पहल की। मेरठ-करनाल हाईवे स्थित नानू पुल पर भारी बारिश के बीच उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट वितरित किए और सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया। हाईवे से गुजर रहे दोपहिया वाहन चालकों को रोककर उन्हें हेलमेट पहनने के महत्व की जानकारी दी गई। मीनाक्षी भराला ने कहा कि रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र की कामना करती हैं, ऐसे में सड़क पर उनकी सुरक्षा भी बेहद जरूरी है। हेलमेट केवल चालान से बचने का साधन नहीं, बल्कि दुर्घटना की स्थिति में जीवन बचाने वाला महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच है। उन्होंने वाहन चालकों से

अपील की कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन न चलाएं, तेज रफ्तार से बचें और यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें। साथ ही परिवार के सदस्यों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। भारी बारिश के बावजूद हेलमेट वितरण और जागरूकता अभियान जारी रहने से मौके पर मौजूद लोगों ने पहल की सराहना की। रक्षाबंधन पर आयोजित यह अभियान 'भाई की कलाई पर राखी, सिर पर हेलमेट' जैसे सुरक्षा संदेश के साथ लोगों के बीच चर्चा का विषय बना।

फास्ट न्यूज

बीकेटी नगर पंचायत में डी-फ्रीजर सुविधा नहीं

लखनऊ। लखनऊ नगर पंचायत बीकेटी में शवों को सुरक्षित रखने के लिए डी-फ्रीजर की सुविधा उपलब्ध न होने से ग्रामीणों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह सुविधा न होने के कारण अंतिम संस्कार में देरी होने पर परिजनों को शवों को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करनी पड़ती है। परिजन अक्सर बाहर से डी-फ्रीजर किराए पर मंगवाने के लिए मजबूर होते हैं, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां तेज

बलिया। बलिया में मुख्यमंत्री के 29 अगस्त को प्रस्तावित जनपद दौरे के मद्देनजर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार दोपहर करीब दो बजे जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह और पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने तहसील बांसडीह अंतर्गत ग्राम गलाफरपुर स्थित प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, मुख्यमंत्री के स्वागत, कार्यक्रम की अन्य व्यवस्थाओं तथा हेलीपैड निर्माण की तैयारियों की विस्तृत जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली।

डीपीएसजी मेरठ रोड ने बैंडी में जीते पांच पदक

गाजियाबाद। दिल्ली पब्लिक स्कूल गाजियाबाद, मेरठ रोड (डीपीएसजी) के खिलाड़ियों ने बैंडी स्टेट चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया है। देहरादून स्थित हिमाद्रि आइस स्केटिंग रिंक में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यालय के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और चार रजत सहित कुल पांच पदक जीते। अंडर-19 बालक वर्ग में अर्श सूर्यवंशी, अव्यान यादव और कुणाल सिंह ने स्वर्ण पदक जीता। अंडर-19 बालिका वर्ग में सुकृति तिवारी ने रजत पदक अपने नाम किया।

पेट्रोल पंप कर्मचारियों से मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार, स्कॉर्पियो बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना पुलिस ने पेट्रोल पंप कर्मचारियों के साथ मारपीट, गाली-गलौज और बिना भुगतान किए जाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त को कानपुर रोड स्थित अश्विन ऊर्जा एचपी पेट्रोल पंप पर स्कॉर्पियो सवार तीन लोग और उनके साथियों ने वाहन में पेट्रोल भरवाया था। आरोप है कि पेट्रोल का भुगतान न करने पर कर्मचारियों ने जब उनसे पैसे मांगे तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की। मामले में पेट्रोल पंप के मैनेजर चन्द्रमणि की तहरीर पर सरोजनीनगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।

घटना के खुलासे और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया। तकनीकी साक्ष्यों,

मैनुअल प्रयास और स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से पुलिस ने इशांत सिंह सेंगर (30), निवासी अर्जुनगंज, लखनऊ को 27 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में पहले से भी एक मुकदमा दर्ज है। मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद ने रक्षाबंधन पर देश व प्रदेशवासियों को दी बधाई व शुभकामनायें

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व उत्तर प्रदेश विधान परिषद मे नेता सदन, श्री केशव प्रसाद मौर्य ने भाई-बहन के असीम प्रेम, अटूट विश्वास एवं समर्पण के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व की समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना सन्देश में श्री मौर्य ने कहा है कि है कि यह पावन व पुनीत पर्व सभी के जीवन में प्रेम, सद्भाव, समृद्धि और सौहार्द की वृद्धि करें। उप मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना सन्देश मे कहा है कि रक्षाबंधन का पावन पर्व भारतीय संस्कृति की उस अद्भुत परंपरा का उत्सव है, जो स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के अटूट बंधन को दर्शाता है। यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की गरिमा, और परिवार व समाज में आपसी स्नेह और सम्मान को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर हम सभी को यह संकल्प लेना चाहिए कि हम नारी सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहें।

रक्षाबंधन पर एमआईईटी स्कूलों में सजी रिश्तों की डोर, प्रकृति संरक्षण का भी दिया संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर एमआईईटी पब्लिक स्कूल, पल्लवपुरम और एमआईईटी पब्लिक स्कूल, जागृति विहार में विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के साथ भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का प्रयास किया गया। पल्लवपुरम स्थित विद्यालय में आयोजित विशेष सभा में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रेम, विश्वास, सम्मान और सहयोग की भावना को अभिव्यक्त किया। इस दौरान हाथ से राखी निर्माण, 'छापो और चिपकाओ राखी', 'मेरी कलाई पर भारत', कार्टून आधारित राखी, 'राखी अभिव्यक्ति मंच' और 'रक्षा

संकल्प पेटी' जैसी गतिविधियां कराई गईं। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण पेड़ों को राखी बांधना रहा। विद्यार्थियों ने वृक्षों को राखी बांधकर प्रकृति के प्रति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। वहीं, जागृति विहार स्थित स्कूल में राखी मेकिंग एवं थाली मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगी राखियां और आकर्षक पूजा की थालियां तैयार कर अपनी रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। रंगों, रिबन, मोतियों और विभिन्न सजावटी सामग्रियों से तैयार की गई राखियों और थालियों ने विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल बना दिया। विद्यालयों की प्रधानाचार्याओं एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और आत्मविश्वास विकसित करने के साथ उन्हें भारतीय संस्कृति, परंपराओं और पारिवारिक मूल्यों से जोड़ती हैं। साथ ही, ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में जिम्मेदारी, संवेदनशीलता, सहयोग और प्रकृति के प्रति संरक्षण की भावना भी विकसित करते हैं। दोनों विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों ने रक्षाबंधन के पर्व को केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित न रखते हुए भारतीय संस्कृति, रचनात्मकता, पारिवारिक मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण का व्यापक संदेश दिया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की गई और सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया गया।

उ0प्र0 पुरातत्व विभाग द्वारा अभिरुचि कार्यक्रम के अंतर्गत सरयूपार क्षेत्र के ऐतिहासिक

पुरातात्विक एवं भू-आकृतिक परिदृश्य पर व्याख्यान आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आज उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ द्वारा आयोजित "पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम, 2026" के आठवें दिन के सत्र में प्रोफेसर दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने Ancient Settlement Patterns & Geomorphology of Saryupara Region विषय पर महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने वर्तमान बलरामपुर, बहराइच, गोण्डा एवं श्रावस्ती जनपदों को सम्मिलित करने वाले सरयूपार क्षेत्र के ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं भू-आकृतिक परिदृश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि प्राचीन मानव बसावटों के अध्ययन में नदी तंत्र, बाढ़ क्षेत्र, भू-आकृति तथा भूमि की ऊँचाई का विशेष महत्व है। गंगा मैदान के उत्तरी भाग में स्थित सरयूपार क्षेत्र में नदियों एवं उनकी सहायक धाराओं द्वारा निर्मित भू-परिदृश्य ने विभिन्न कालों की मानव बसावटों को

प्रभावित किया। इसी भौगोलिक पृष्ठभूमि में श्रावस्ती सहित कोसल क्षेत्र ने प्राचीन भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने श्रावस्ती, सपुर (जनपद गोण्डा), चरदा (जनपद बहराइच), ओरझार (जनपद बलरामपुर) तथा पिरिवितानीसरिफ-त्रिलोकपुर जैसे प्रमुख पुरातात्विक स्थलों के उत्खनन एवं सांस्कृतिक अनुक्रम पर विस्तार से चर्चा की। इन स्थलों से प्राक्-एनबीपीडब्ल्यू, एनबीपीडब्ल्यू, शुंग, कुषाण, गुप्त तथा मध्यकालीन संस्कृतियों के महत्वपूर्ण साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। रेडियोकार्बन तिथियों के आधार पर क्षेत्र की प्रारम्भिक बसावटों की प्राचीनता एवं सांस्कृतिक निरंतरता को समझने में महत्वपूर्ण सहायता मिली है।

हनी ट्रैप में फंसाकर कराई युवक की हत्या

मुख्य आरोपी के कहने पर फोन से बढ़ाई करीबी, वारदात वाले दिन फोन कर बुलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में युवक के अपहरण और हत्या के मामले में पुलिस की जांच में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक, मोनू को अगवा करने के लिए आरोपियों ने हनी ट्रैप का सहारा लिया था। मुख्य आरोपी नेम कुमार और उसके भतीजे पुनीत ने अपनी ट्रैक्टर एजेंसी में काम करने वाली खुशबू मौर्य को इस साजिश में शामिल किया। नेम के कहने पर खुशबू ने मोनू से पहले रॉन्ग नंबर के बहाने फोन पर बातचीत शुरू की और धीरे-धीरे उसे अपनी बातों में फंसा लिया। घटना वाले दिन खुशबू ने ही फोन कर मोनू को पूरामुफ्ती थाने के पास बुलाया था। पुलिस के अनुसार, मोनू के वहां पहुंचते ही पहले से घात लगाए बैठे नेम कुमार और पुनीत ने उसे अगवा कर लिया। इसके बाद उसकी

मोबाइल की आखिरी कॉल ने खोला राज

मोनू की तलाश के दौरान पुलिस ने उसके मोबाइल फोन की कॉल डिटेल रिपोर्ट निकलवाई। सीडीआर की जांच में सामने आया कि घटना से पहले उसके मोबाइल पर अंतिम कॉल खुशबू मौर्य की थी। इस कॉल को पुलिस ने जांच की अहम कड़ी माना। पुलिस ने नेम कुमार से पूछताछ की तो उससे खुशबू के बारे में सवाल किए गए। पूछताछ में पता चला कि खुशबू उसी की ट्रैक्टर एजेंसी में काम करती थी। इसके बाद पुलिस ने खुशबू को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि नेम कुमार के कहने पर ही उसने मोनू को घटना वाले दिन फोन किया था और उसे पूरामुफ्ती थाने के पास बुलाया था।

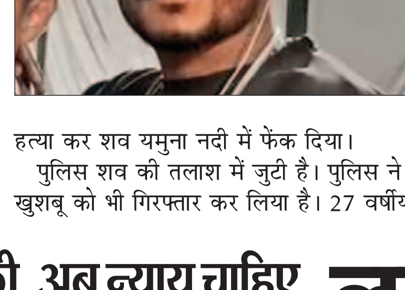

हत्या कर शव यमुना नदी में फेंक दिया।

पुलिस शव की तलाश में जुटी है। पुलिस ने खुशबू को भी गिरफ्तार कर लिया है। 27 वर्षीय खुशबू मौर्य कौशांबी के संदीपन घाट थाना क्षेत्र के गुलकइयापुर की रहने वाली है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि पूरी साजिश कब और कैसे तैयार की गई थी तथा हत्या की वजह क्या थी। हालांकि अब तक मोनू का शव बरामद नहीं हो पाया है।

पुलिस का कहना है कि शव की तलाश लगातार जारी रहेगी। एसीपी धूमनगंज रवि कुमार गुप्ता ने बताया कि बुधवार को करीब आठ घंटे तक यमुना में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन शव नहीं मिला। गुरुवार को एक बार फिर नए सिरे से तलाश शुरू की जाएगी। पुलिस नदी के संभावित बहाव क्षेत्र और किनारे के गांवों में भी निगरानी कर रही है।

8 घंटे तक यमुना में चला सर्च ऑपरेशन

इधर बुधवार को मोनू के शव की तलाश में पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने करीब आठ घंटे तक यमुना नदी में सर्च ऑपरेशन चलाया। सुबह करीब 11 बजे से शाम सात बजे तक कौशांबी-चित्रकूट बॉर्डर पर महिला घाट के आसपास नदी में तलाश की गई।

टीमों ने नदी में जाल भी डलवाया, लेकिन शव का कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक घटना को 6 दिन बीत चुके हैं। इस समय यमुना में पानी का बहाव काफी तेज है। ऐसे में आशंका है कि शव नदी की धारा में बहकर काफी दूर निकल गया होगा। इसी संभावना को देखते हुए प्रयागराज और कौशांबी में यमुना के किनारे बसे गांवों के आसपास भी पुलिस टीमों से खोजबीन कराई गई है।

आत्महत्या : रास्ते की विवाद की डीएम-एसडीएम से 100 बार शिकायत की, अब न्याय चाहिए

महिला ने सुसाइड किया, बेटा बोला-लाश नहीं उठाएंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में रास्ते के विवाद से परेशान एक 50 साल की महिला ने टॉयलेट में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। जब बेटे ने शौचालय जाने के लिए दरवाजा खोला, तो मां फंदे से लटकती मिली। उसने चिल्लाकर परिवार के लोगों को बुलाया। पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराने की बात कही, तो परिजन ने इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, हमारे रास्ते पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है। जब रास्ता ही नहीं है, तो शव किस रास्ते से लेकर जाएंगे? पहले विवाद का निपटारा हो, उसके बाद ही शव को पोस्टमॉर्टम या अंतिम संस्कार के लिए ले जाने देंगे। घटना बड़ागांव थाना क्षेत्र के अहरक गांव में बुधवार शाम 7 बजे हुई। 20 घंटे बीत जाने

कविता उपाध्याय मतक

के बाद गुरुवार शाम तक परिजन कविता उपाध्याय के शव को घर में बर्फ की सिल्लियों पर रखे हुए हैं। बेटे का आरोप है कि मां 2 साल से अफसरों के चक्कर लगा रही थीं। उन्होंने डीएम और एसडीएम से 100 बार शिकायत की थी। डीएम कार्यालय के बाहर धरना भी दिया, लेकिन न्याय नहीं मिला। बेटे ने बताया कि मां अक्सर कहती थीं- न्याय नहीं मिला तो जान दे दूंगी। मेरी मौत के बाद ही प्रशासन नींद से जागेगा। अब अगर पुलिस और प्रशासन चाहता है कि मां का अंतिम संस्कार हो, तो विवाद का निपटारा कराए। जीते जी न सही, मरने के बाद तो मां को न्याय दिलाए। फिलहाल, भारी संख्या में

- **रास्ता विवाद को समझने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण किया।**
- **एसडीएम पिंडरा कुंदन राज कपूर ने परिजनों से विवाद के संबंध में जानकारी ली।**
- **नाराज परिजनों ने शव को बर्फ पर रख दिया। कहा कि अंतिम संस्कार तभी होगा जब रास्ता विवाद खत्म होगा।**

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। परिवार को समझाने में जुटे हैं। बेटे विशाल उपाध्याय ने बताया कि परिवार करीब दो साल से अधिकारियों के चक्कर काट रहा था। लेकिन न्याय नहीं मिला। अहरक गांव में संतोष उपाध्याय का मकान है। संतोष दिल्ली में रहकर नौकरी करते हैं। गांव में पत्नी कविता उपाध्याय, बेटा विशाल उपाध्याय और मां रहते हैं। पिता लक्ष्मी नारायण उपाध्याय का काफी पहले निधन हो चुका है। बेटा विशाल MA की पढ़ाई कर रहा है। बेटे विशाल ने बताया कि घर से बाहर 6 फीट चौड़ी सरकारी जमीन थी। इसी से हमारा आना-जाना होता था। 2 साल पहले मनीष और अमित उपाध्याय के परिजनों ने इस जमीन पर कब्जा कर लिया। चारों तरफ दीवार खड़ी कर दी। इसके बाद हमारा रास्ता बंद हो गया। इससे हमारे पास उस जमीन के

बगल से सिर्फ दो फीट का वैकल्पिक रास्ता बचा। मां कविता उपाध्याय ने मामले में आखिरी शिकायत 22 जुलाई 2026 को डीएम की जनसुनवाई में की गई थी। इसमें 12 अगस्त को आख्या लगाकर शिकायत का निस्तारण कर दिया गया।

लखनऊ में डीसीएम ने 13 साल की लड़की को रौंदा

मौत, ग्रामीणों ने ड्राइवर-क्लीनर को पीटा, पुलिस की गाड़ी के आगे खड़े होकर रोड जाम किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम तेज रफ्तार डीसीएम ने साइकिल से जा रही 13 वर्षीय किशोरी को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि किशोरी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। किशोरी की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने बनी-मोहान रोड पर जाम लगा दिया। ग्रामीण सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास शुरू किया। ग्रामीणों का आरोप था कि तेज रफ्तार डीसीएम की वजह से यह हादसा हुआ। घटना के बाद

मौके पर तनाव की स्थिति बन गई और ग्रामीणों ने सड़क पर आवागमन रोक दिया। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने डीसीएम के चालक और क्लीनर को पकड़ लिया। गुस्साए लोगों ने दोनों की पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह दोनों को ग्रामीणों के बीच से निकालकर हिरासत में ले लिया। पुलिस दोनों को जीप में बैठाकर मौके से ले जाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन ग्रामीणों ने पुलिस वाहन को घेर लिया। ग्रामीण चालक और क्लीनर को पुलिस के साथ ले जाने का विरोध कर रहे हैं। कई ग्रामीण पुलिस की जीप के आगे खड़े हो गए और दोनों को ले जाने नहीं दे रहे हैं। इससे मौके पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस अधिकारी ग्रामीणों को समझाने और सड़क से हटाने का प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों की ओर से ग्रामीणों को कार्रवाई का भरोसा देकर स्थिति सामान्य कराने की कोशिश की जा रही है। घटना के बाद मौके पर पुलिस बल मौजूद है। पुलिस अधिकारी ग्रामीणों से बातचीत कर जाम खुलवाने का प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल प्राथमिकता सड़क पर यातायात बहाल कराने और स्थिति को नियंत्रण में रखने की है। पुलिस हादसे की परिस्थितियों की जांच के साथ डीसीएम चालक और क्लीनर से भी पूछताछ कर रही है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर अचानक बस रोकी, 3 की मौत

रक्षाबंधन मनाने जा रहे थे, ड्राइवर बाथरूम के लिए उतरा, ट्रक ने टक्कर मारी

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या/सुल्तानपुर। यूपी के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बस को ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई। 20 यात्री घायल हैं। इनमें 5 गंभीर हैं। गुरुवार तड़के 5.30 बजे ड्राइवर को पेशाब लगी। उसने एक्सप्रेस-वे पर थोड़ा किनारे करके बस रोक दी। नीचे उतरकर चला गया। तभी तेज रफ्तार ट्रक आया और पीछे से बस में घुस गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि 4-5 फीट बस पिचक गई। बस में चीख-पुकार मच गई। हादसे के वक्त ज्यादातर यात्री सो रहे थे। पिछले हिस्से की 3-4 सीट पर बैठे यात्री खून से लथपथ हो गए। बस गुड़गांव से गोरखपुर के रास्ते बिहार जा रही थी। 80 यात्री सवार थे। सभी रक्षाबंधन मनाने अपने-अपने घर जा रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने जैसे-तैसे सीट के बीच में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले गए। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रक को लेकर भाग गया। हादसा जिला मुख्यालय से 35 किमी दूर बल्दीराय थाना क्षेत्र में हुआ। हादसे में जिन 3 यात्रियों की मौत हुई। उनमें एक महिला, दो पुरुष हैं। सभी बिहार के रहने वाले थे।

- बस का पिछला हिस्सा 2 फीट तक पिचक गया। टक्कर बाद ट्रक ड्राइवर फरार हो गया।
- घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर्स की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

> बल्दीराय थाना क्षेत्र के सीओ आशुतोष कुमार ने बताया- हादसे में 3 की मौत हो गई। कई यात्री घायल हैं। क्रेन से बस को हटाया गया। मृतकों के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी है।

गुड़गांव से शाम 4 बजे चली थी, ड्राइवर ने उतरते वक्त गेट बंद किए

बस सवार यात्रियों ने बताया- स्लीपर बस मां शीतला ट्रैवल की थी। गुड़गांव से टिकट बुक कराई थी। बुधवार शाम 4 बजे बस वहां से रवाना हुई। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर ड्राइवर बार-बार बस रोककर सवारियों को उतार और चढ़ा रहा था। यात्रियों ने कई बार उसे मना किया, लेकिन उसने उनकी बात नहीं मानी। एक्सप्रेस-वे के किनारे बस खड़ी कर बाथरूम चला गया। बस का दरवाजा बंद होने की वजह से कोई यात्री नीचे नहीं उतर पाया। इसी दौरान हादसा हो गया।

हादसे में मां की मौत, बेटा घायल

हादसे में घायल एक यात्री सुशील मंडल ने बताया- मैं और मेरी मां किरन देवी गुड़गांव से बस में सवार हुई थीं। हमें रक्षाबंधन पर सुपौल जाना था। 2,800 रुपए का टिकट लिया था। बस में काफी भीड़ थी, इसलिए पीछे की सीट मिलीं।

धमाके की आवाज से खुली नींद

घायल यात्री आकाश कुमार ने बताया- हम लोग बस में सो रहे थे। इसी बीच अचानक तेज धमाका हुआ और लोग चीखने-चिल्लाने लगे। मेरी नींद खुली तो देखा कि सिर से खून बह रहा था। बस से नीचे उतरा तो देखा कि बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। टक्कर से बस कुछ दूर तक घिसटती चली गई। पुलिस CCTV फुटेज खंगालकर टक्कर मारने वाले ट्रक की तलाश कर रही है।

घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर्स की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है।

पेड़ों को रक्षा सूत्र बांध नौनिहालों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बलदेव (मथुरा)। विकासखंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में छात्र-छात्राओं ने रक्षाबंधन पर्व अनूठे अंदाज में मनाया। विद्यालय शिक्षक परिवार के साथ बच्चों ने वृक्षबंधन कार्यक्रम आयोजित कर पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधे और उनकी रक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बच्चों ने पेड़ों को अपना सच्चा मित्र बताते हुए समाज को प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि वृक्ष जीवन का आधार हैं। आज इनकी रक्षा करेंगे तो भविष्य में ये हमें शुद्ध वायु, जल और सुरक्षित वातावरण देंगे। रक्षाबंधन का पर्व प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी संदेश देता है। बच्चों ने पर्यावरण जागरूकता से जुड़े बैनर हाथों में लेकर लोगों से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम में गीता सक्सेना, ममता रानी, अचल कुमार और प्रेमचंद्र सहित विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

फास्ट न्यूज

शोक जताने पहुंचे विधायक ग्रामीणों पर भड़के

आगरा। आगरा के फतेहाबाद में शोक संवेदना जताने पहुंचे भाजपा विधायक छोटेलाल वर्मा का ग्रामीणों पर गुस्सा करने का वीडियो सामने आया है। बुधवार को विधायक चाचीपुरा खंडेर के ठार रामदास गांव में एक परिवार के यहां पहुंचे थे। इसी दौरान ग्रामीणों ने गांव के खराब रास्ते की समस्या बताई तो विधायक नाराज हो गए।

ट्रेन की चपेट में आने से सीआईएसएफ जवान की मौत

अलीगढ़। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरते समय हुए हादसे में CISF जवान विवेक डागुर की मौत हो गई। वह ओडिशा में तैनात थे और दिल्ली पुलिस की शारीरिक परीक्षा में शामिल होने के लिए घर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही उनके पैतृक गांव सालपुर में शोक की लहर दौड़ गई। हालांकि, हादसा किस ट्रेन से और किस समय हुआ, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। परिजनों के मुताबिक, विवेक करीब दो साल पहले CISF में भर्ती हुए थे। वह दो भाइयों में बड़े थे। उनके छोटे भाई अभिषेक डागुर भी करीब छह महीने पहले CISF में भर्ती हुए हैं।

10 साल बाद मिला स्वाइन फ्लू का केस

मुरादाबाद। मुरादाबाद में करीब 10 साल बाद स्वाइन फ्लू (H1N1) का पेशेंट मिला है। गाजियाबाद से मुरादाबाद अपने मायके में आई एक महिला चिकित्सक की जांच रिपोर्ट स्वाइन फ्लू पॉजिटिव आई है। इसके बाद से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थिति है। महिला चिकित्सक को शहर के एक निजी अस्पताल में आइसोलेट किया गया है। इसके साथ ही उनकी फैमिली की भी जांच की गई है।

आस्था पर भारी अव्यवस्था, जाम में फंसे हजारों श्रद्धालु

ई-रिक्शाओं और चार पहिया वाहनों की बेरोकटोक आवाजाही से परिक्रमा मार्ग पर बिगड़े हालात

तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन। सावन के पवित्र महीने में गिरिराज जी की परिक्रमा के लिए उमड़ रहे हजारों श्रद्धालुओं को गोवर्धन में अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है। बीती रात परिक्रमा मार्ग पर वाहनों के जाम और ई-रिक्शाओं की मनमानी के चलते पैदल परिक्रमा कर रहे श्रद्धालु घंटों परेशान रहे। बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे भीड़ के बीच फंसकर रह गए। श्रद्धालुओं के अनुसार परिक्रमा मार्ग पर ई-रिक्शाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। निर्धारित रूट और प्रभावी नियंत्रण के अभाव में ई-रिक्शा चालक मार्ग पर ही सवारियां बैठाते और उतारते हैं, जिससे जाम की स्थिति बनती है। चार पहिया वाहनों की आवाजाही ने समस्या को और गंभीर कर दिया है। परिक्रमा मार्ग पर यातायात नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मी तैनात होने के बावजूद वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी

अंकुश नहीं लग पा रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यदि भीड़ के बीच वाहनों का प्रवेश इसी तरह जारी रहा तो कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है। स्थानीय दुकानदारों और श्रद्धालुओं ने प्रशासन से सावन मास में परिक्रमा मार्ग पर चार पहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह रोकने, ई-रिक्शाओं के लिए निर्धारित रूट और समय तय करने तथा भीड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस व होमगार्ड तैनात करने की मांग की है।

यूएसए भेजा जाएगा गर्लफ्रेंड का हत्यारोपी इंजीनियर

आगरा में अरेस्ट हुआ, तमिलनाडु में ढूंढती रही पुलिस, पुरानी एफआईआर ने दिखाया रास्ता

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में छिपकर रह रहा अमेरिका में पूर्व प्रेमिका की हत्या का आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। 26 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर अर्जुन शर्मा को आगरा के कहरई स्थित शंकर ग्रीन अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया है। अमेरिका के मैरीलैंड में 27 वर्षीय निकिथा गोडिशाला की चाकू मारकर हत्या के बाद अर्जुन भारत भाग आया था। उसके खिलाफ अमेरिका में प्रथम और द्वितीय डिग्री मर्डर के आरोप में वारंट जारी था। अब अमेरिका ने भारत से उसके प्रत्यर्पण की मांग की है। हत्या के बाद से यहां पुलिस उसकी तलाश तमिलनाडु में कर रही थी। जबकि अर्जुन 15 दिनों से आगरा में ही रह रहा था। बाद में उसके आगरा में होने की जानकारी मिली। अब उसको अमेरिका भेजने की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अमेरिका से भागने के बाद अर्जुन

निकिथा गोडिशाला
मृतक

हत्यारोपी इंजीनियर
अर्जुन शर्मा

के भारत पहुंचने की जानकारी जांच एजेंसियों को मिली थी। जनवरी 2026 में उसके तमिलनाडु में होने की जानकारी सामने आई थी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी तलाश की जा रही थी। उस समय अमेरिकी एजेंसियां भारतीय अधिकारियों के साथ मिलकर उसे पकड़ने की कोशिश कर रही थीं। बाद में उसका पता आगरा से जुड़ा। हैदराबाद के लल्लागुड़ा थाने में दर्ज एक अलग एफआईआर में भी अर्जुन संदिग्ध बताया गया है। इसी मामले की जांच के दौरान उसके आगरा के पते पर नोटिस भेजा गया था। अमेरिकी पुलिस के मुताबिक, निकिथा की हत्या 31 दिसंबर 2025 की शाम करीब 7 बजे के बाद की गई।

मंगलवार की रात हैदराबाद पुलिस ने फ्लैट में छापा मारा

थाना प्रभारी एकता सौरभ कुमार ने बताया कि हैदराबाद से दो पुलिसकर्मी आए थे। उन्हें हत्यारोपी के सोशल मीडिया और सर्विलांस से सटीक लोकेशन तलाशने में मदद मिली थी। उन्होंने आरोपी अर्जुन को पकड़ने के लिए हेल्प मांगी। आगरा पुलिस ने उनके साथ अपार्टमेंट के 12वें फ्लोर पर मंगलवार की रात करीब 12:30 बजे फ्लैट में छापा मारा। अर्जुन वहां पर अकेला था। पुलिस करीब 15 मिनट फ्लैट में रुकी। उसको गिरफ्तार किया और फ्लैट की तलाशी ली। इसके बाद हैदराबाद पुलिस उसे पटियाला हाउस कोर्ट दिल्ली के लिए ले गई।

हत्या के अगले दिन अमेरिका छोड़कर भागा

हत्या के बाद मामले में सबसे बड़ा सुराग अर्जुन की गतिविधियां बनीं। पुलिस के मुताबिक, उसने निकिथा के लापता होने की शिकायत की और बताया कि उसने उसे आखिरी बार 31 दिसंबर को अपने अपार्टमेंट में देखा था। इसके बाद अर्जुन अमेरिका छोड़कर भारत भाग आया। अमेरिकी जांचकर्ताओं ने उसके अपार्टमेंट की तलाशी ली तो निकिथा का शव एक सूटकेस में रखा मिला। इसके बाद उसके खिलाफ प्रथम और द्वितीय डिग्री मर्डर के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया।

> निकिथा के पिता आनंद गोडिशाला ने आरोप लगाया था कि उनकी बेटी और अर्जुन के बीच पैसों को लेकर विवाद था। परिवार के मुताबिक, निकिथा ने अर्जुन को पैसे उधार दिए थे और वह रकम वापस मांग रही थी। परिवार का आरोप है कि इसी विवाद के चलते अर्जुन ने निकिथा को अपने अपार्टमेंट में बुलाया और उसकी हत्या कर दी।

आगरा में आर्किटेक्ट को बनाया शिकार, फर्जी एप पर करोड़ों का मुनाफा दिखाया

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 88.99 लाख का हुआ साइबर फ्रॉड

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग में कई गुना मुनाफे का झांसा देकर एक आर्किटेक्ट से 88.99 लाख रुपये ठग लिए। पहले उन्हें बिना अनुमति WhatsApp ग्रुप में जोड़ा। खुद को सेबी से पंजीकृत कंपनी बताया। इसके बाद फर्जी एप पर निवेश की रकम के साथ भारी मुनाफा दिखाते रहे। भरोसा होने पर पीड़ित ने 13 से 17 अगस्त के बीच 10 बार में पूरी रकम एक ही बैंक खाते में जमा कर दी। एप पर पैसा बढ़ता हुआ दिखता रहा, लेकिन जब रकम अपने खाते में निकालने की कोशिश की तो ट्रांसफर नहीं हुई। इसके बाद ठगों ने और रकम जमा करने को कहा। यहीं पीड़ित को शक हुआ और पूरा फर्जीवाड़ा सामने आ गया।

सेबी और एचडीएफसी सिक्योरिटीज के नाम से बनाया भरोसा

यशवीर के मुताबिक, निशा वर्मा ग्रुप में लगातार निवेश के लिए दबाव बनाती थी। वह दावा करती थी कि उनकी कंपनी सेबी से पंजीकृत है और HDFC Securities DMA Market से रजिस्टर्ड है। निवेश पर कई गुना मुनाफे का दावा किया जाता था। ग्रुप में मुनाफे के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए जाते थे। इससे निवेश करने वालों को लगता था कि बाकी लोग पहले से पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। इसी झांसे में यशवीर भी आ गए।

फर्जी कंपनी के नाम पर पूरा जाल

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि साइबर ठगों ने पहले भरोसा बनाने के लिए कंपनी को सेबी से पंजीकृत बताया। WhatsApp ग्रुप के जरिए निवेश के फायदे बताए गए। मुनाफे के स्क्रीनशॉट दिखाए गए। इसके बाद फर्जी एप पर रकम और मुनाफा दिखाकर पीड़ित का भरोसा कायम रखा गया। जब बड़ी रकम जमा हो गई और उसे निकालने की कोशिश हुई तो अतिरिक्त रकम जमा कराने का दबाव बनाया गया। डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आईटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

10 बार में जमा किए 88.99 लाख

इसके बाद यशवीर ने 13 अगस्त से 17 अगस्त के बीच अलग-अलग ट्रांजैक्शन किए। कुल 10 बार में 88.99 लाख रुपये एक ही बैंक खाते में जमा कराए गए। हर बार रकम जमा होने के बाद फर्जी एप पर उसका बैलेंस दिखाई देता था। एप में निवेश की रकम बढ़ती हुई नजर आती रही। इससे यशवीर को भरोसा रहा कि उनका पैसा शेयर ट्रेडिंग में लगा है और मुनाफा भी हो रहा है।

कुछ समय बाद यशवीर ने एप में दिखाई जा रही रकम अपने निजी बैंक खाते में ट्रांसफर करने की कोशिश की। लेकिन रकम ट्रांसफर नहीं हुई। उन्होंने इसकी जानकारी निशा वर्मा को दी। आरोप है कि इसके बाद रकम वापस दिलाने के बजाय उनसे और पैसा जमा करने को कहा गया। यहीं यशवीर को शक हुआ कि कहीं उनके साथ साइबर ठगी तो नहीं हो रही। इसके बाद उन्होंने सेबी से कंपनी के बारे में जानकारी की। जांच में उन्हें पता चला कि जिाम पर निवेश कराया जा रहा था, वह फर्जी थी।

रक्षाबंधन से पहले खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, 17 नमूने लिए

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावटखोरी के खिलाफ मथुरा और वृंदावन क्षेत्र में सघन जांच अभियान चलाया। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन में खाद्य सचलदल ने विभिन्न मिठाई प्रतिष्ठानों और खाद्य कारोबारियों के यहां जांच कर खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। टीम ने छौली, बल्देव से खोआ, महावन से खीर मोहन तथा मंडी चौराहा स्थित मिठाई प्रतिष्ठानों से घेवर, बर्फी, नमकीन, काजू बर्फी और खोआ सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। वृंदावन स्थित रॉयल भारती स्वीट्स और भारती स्वीट्स से छेना मिठाई, काजू कतली, घेवर और राजभोग के नमूने भी लिए गए। खाद्य विभाग ने कुल 17 नमूने जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजे हैं। अधिकारियों के अनुसार जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित खाद्य कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रक्षाबंधन से पहले हुई कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में हड़कंप मचा है।

पृष्ठ 01 का शेष...

टीएमसी का ममता ...

इसलिए इस स्तर पर चार खातों के बारे में अलग आदेश की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि खातों को किस गुट को दिया जाना है, इस पर पहले चुनाव आयोग को फैसला करना चाहिए। TMC में एक गुट ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला है, जबकि दूसरा पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाला है। बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने की जांच रिपोर्ट भी कोर्ट के सामने रखी गई। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले TMC गुट ने 7 जुलाई को पुलिस साइबर सेल की ओर से चार बैंक खाते फ्रीज किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट का रुख किया था। TMC की तरफ से कोर्ट में मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि 9 जुलाई के आदेश के तहत करीब 200 कर्मचारियों की सैलरी और पार्टी के कुछ कार्यालयों का किराया दिया जा रहा है। 18 जून को बिधाननगर पुलिस कमिश्नरेट के साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि TMC के एक निजी बैंक में मौजूद तीन खाते अपराध की कमाई रखने के लिए इस्तेमाल किए गए हैं। FIR दर्ज होने के अगले ही दिन इन खातों से डेबिट लेनदेन पर रोक लगा दी गई। यह शिकायत TMC के बागी गुट के नेताओं, विधायक ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा की ओर से की गई थी। यही शिकायत बैंक खातों के फ्रीज होने का आधार बनी। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने भी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पार्टी के तीन बैंक खातों में जमा करीब 440 करोड़ रुपए फ्रीज किए हैं। जांच चार्टर्ड प्लेन और निजी जेट किराए पर लेने में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ी बताई गई है।

ओलंपिक खेलों में ...

पैरा एथलीट्स की सफलता समाज और परिवारों में नई उम्मीद जगाती है। शीतल के आर्चरी मेडल और अवनी लेखरा के दो मेडल ने जम्मू-कश्मीर और देश को गौरवान्वित किया। झंडू कुमार समेत कई पैरा एथलीट प्रेरणा दे रहे हैं। फौजा सिंह ने 100 साल की उम्र के बाद भी फिटनेस की मिसाल पेश की। युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए। हर युवा की भागीदारी भारत की ताकत है। नई तकनीक से खेलों में बदलाव आ रहा है और साइकोलॉजी व न्यूट्रिशन जैसे क्षेत्रों में नए करियर बन रहे हैं। पीएम ने युवाओं से नए अवसर अपनाने और खेलों पर नए विचार देने की अपील की। कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, PM के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया गया। इसका मकसद युवाओं को भारत की खेल यात्रा से जोड़ना है। कार्यक्रम में भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी समेत अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी शामिल हुए। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

न्यूयॉर्क में आरएसएस ...

दरअसल, भागवत के कार्यक्रम का न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी समेत कई संगठनों ने विरोध किया है। HAF ने आरोप लगाया कि हिंदू-अमेरिकियों को निशाना बनाने वाले कुछ एक्टिविस्ट कार्यक्रम को बाधित करने और रद्द कराने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, HAF की एडवाइजरी में किसी आतंकी या हिंसक खतरे की पुष्टि नहीं की गई है। HAF ने कार्यक्रम में आने वालों को विरोध करने वालों से टकराव से बचने और किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी सुरक्षा अधिकारियों या कानून प्रवर्तन एजेंसियों को देने की सलाह दी है। इमरजेंसी में 911 पर कॉल करने को भी कहा गया है। न्यूयॉर्क के मेयर मामदानी ने कहा था, 'मैं इस कार्यक्रम का समर्थन नहीं करता। मैं बांटने वाली विचारधारा का विरोध करता हूं। मेरे पास इस कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार नहीं है, इसलिए कार्यक्रम को रद्द नहीं किया जा सकता।' संगठनों में हिंदूज फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल और इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क समेत कई इंटरफेथ और सिविल राइट्स शामिल हैं। ममदानी भारतीय मूल की फिल्ममेकर मीरा नायर और युगांडा के अकादमिक महमूद ममदानी के बेटे हैं। उन्होंने जनवरी में न्यूयॉर्क शहर के मेयर का पद संभाला था।

मान क्रैश, पायलट ...

पुर्जे दूर तक बिखर गए। हालांकि, विमान में आग नहीं लगी। हादसे से जुड़े वीडियो सामने आए हैं। इनमें दिख रहा है कि जमीन में गिरने के बाद विमान मलबे में तब्दील हो गया। एक पायलट कॉकपिट के पास फंसा था। दूसरा गंभीर हालत में विमान से थोड़ी दूर खून से लथपथ पड़ा था। विमान की एक सीट भी टूटकर बाहर आ गई। करीब 12:15 बजे पुलिस-प्रशासन की टीम पहुंची। खून से लथपथ पायलट सचिन भाटिया (गुजरात) और ट्रेनी अभिषेक पुजारी (कर्नाटक) को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक, दोनों पायलट की मौत ऊंचाई से गिरने की वजह से हुई। शरीर में मल्टीपल इंजरी हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में स्पष्ट वजह सामने आएगी। मौके पर पहुंचे कानपुर पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने कहा- चकेरी स्थित गर्ग एविएशन ट्रेनिंग सेंटर से विमान ने उड़ान भरी थी। 20 मिनट बाद 39 किमी दूर नाथपुरवा गांव में क्रैश हो गया। पायलट के पास 3000 घंटे उड़ान का अनुभव था। डीजीसीए (DGCA) को जानकारी दे दी गई है। अब उनकी टीम जांच-पड़ताल करेगी। नाथपुरवा गांव के रोहित निषाद ने बताया- मैं खेत पर काम कर रहा था। ऊपर देखा तो एक एयरक्राफ्ट उड़ रहा था। अचानक वह नीचे की ओर गिरने लगा। धमाके की आवाज के साथ जमीन पर गिरा। हालांकि, आग नहीं लगी। सर्वेश ने बताया- मेरे खेत में ही विमान गिरा। मैं सुबह 10 बजे तक यहीं था। फिर घर चला गया। बाद में फोन आया कि तुम्हारे खेत में विमान गिरा है। इसके बाद मैं भागकर आया। यहां देखा तो दोनों पायलट जमीन पर गिरे पड़े थे। जहां हादसा हुआ, वहां से रिहायशी बस्ती करीब एक किमी दूर है। ग्रामीणों ने बताया कि विमान करीब 4-5 मिनट तक हवा में उड़ता रहा। फिर अचानक गिरा। अगर बस्ती के ऊपर विमान गिरता, तो घरों और पब्लिक को नुकसान पहुंच सकता था। विमान कानपुर की कंपनी गर्ग एविएशन फ्लाइंग ट्रेनिंग एकेडमी का था। 1995 में इसकी स्थापना हुई थी। 100 से ज्यादा लोग पायलट की ट्रेनिंग ले रहे हैं। विमान ने फ्लाइंग एकेडमी से ही उड़ान भरी थी। 39 किमी दूर क्रैश हो गया। हादसे के बाद डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (DGCA) की तीन सदस्यीय टीम को जांच के लिए रवाना किया गया है। वहीं, एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) ने भी जांच शुरू कर दी है। नीचे गिरने के दौरान एयरक्राफ्ट खेत में बने 5 फीट ऊंचे बाउंड्री वॉल से टकराया था। इसके बाद सीमेंटेड बाउंड्री वाल को तोड़ते हुए पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। इस दौरान विमान के परखच्चे उड़ गए। रवि निषाद ने बताया- मैं गांव में था। तभी पता चला कि एक विमान उन्नाव की ओर से आया और आसमान में लहराते हुए अमरूद के बाग में गिर गया है। सर्वेश ने कहा- मेरे खेत में ही विमान गिरा है। मैं सुबह 10 बजे यहीं था फिर मैं घर चला गया। बाद में फोन आया कि तुम्हारे खेत में विमान गिरा है। इसके बाद मैं भागकर आया। प्रत्यक्षदर्शी रोहित निषाद ने कहा- देखा ऊपर एक एयरक्राफ्ट अचानक उड़ रहा था। फिर तुरंत नीचे की ओर गिरने लगा। कोई आग नहीं लगी। केवल धमाके की आवाज आई थी। घायल पायलट और ट्रेनी को बेसुध हालत में हैलेट अस्पताल लाया गया। जहां ईएमओ डॉ. आरएस सिंह ने ट्रेनर और ट्रेनी पायलट को मृत घोषित किया। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया- गर्ग एविएशन ट्रेनिंग सेंटर से साढ़े 11 बजे 4 सीटर एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी थी।

खेल

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चुने गए

सहवाग के बेटे आर्यवीर की यू-19 टीम इंडिया में एंट्री

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को पहली बार भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है।

तीनों मुकाबले सितंबर में राजकोट में खेले जाएंगे। आर्यवीर दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और फिलहाल दिल्ली प्रीमियर लीग में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से खेल रहे हैं। राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय को भी वनडे टीम में शामिल किया

गया है। अन्वय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। यानी, वनडे टीम में वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, आर्यवीर और अन्वय दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दो मल्टी-डे मैचों की टीम में जगह नहीं मिली है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की U-19 टीमों के बीच तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। तीनों मुकाबले राजकोट में होंगे। तीनों मुकाबले सुबह 9 बजे से शुरू होंगे।

मल्टी-डे टीम में आर्यवीर-अन्वय नहीं

दो मल्टी-डे मैचों के लिए भारत टीमः यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा, अभिप्राय बिस्वास, रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उल्वा और आर्यन यादव शामिल हैं।

द्रविड़ के बेटे अन्वय भी वनडे टीम में

अन्वय द्रविड़ ने श्रीलंका U-19 के खिलाफ 2 मैच में 101 रन बनाए थे।

आर्यवीर सहवाग ने हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला है। वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में बड़ी पारी खेलकर चर्चा में आए थे। उन्होंने मेघालय के खिलाफ 297 रन बनाए थे।

अन्वय द्रविड़ ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की U-19 टीम के लिए 87 रन की पारी खेली थी। उन्होंने इस प्रदर्शन की बदौलत वनडे टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है।

लक्ष्य कप्तान, यशवर्धन उपकप्तान

वनडे सीरीज के लिए लक्ष्य रायचंदानी को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। वहीं मल्टी-डे मैचों के लिए दोनों की भूमिकाएं बदल जाएंगी। यशवर्धन कप्तान और लक्ष्य उपकप्तान होंगे। भारत को वनडे सीरीज के बाद दो मल्टी-डे मैच भी खेलने हैं। पहला मुकाबला 27 से 30 सितंबर तक राजकोट में होगा। दूसरा मल्टी-डे मैच 5 से 8 अक्टूबर तक अहमदाबाद के B ग्राउंड पर खेला जाएगा।

भारत की U-19 वनडे टीम

लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उप कप्तान), रजत बघेल, आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उल्वा, चिगुरुपति वेंकट और काव्य पटेल।

बुमराह से 697 दिन बाद टॉप रैंकिंग छिनी

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर पहली बार ICC टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैकाय टेस्ट में 10 विकेट लेने के बाद स्टार्क दो स्थान की छलांग लगाकर टॉप पर पहुंचे। उनके 872 रेटिंग पॉइंट हैं। बुमराह 862 पॉइंट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। बुमराह ने कुल 697 दिन नंबर-1 की रैंकिंग पर बिताए हैं। वे 7 फरवरी 2024 को पहली बार इस मुकाम पर पहुंचे थे। हालांकि, यह लगातार 697 दिन का आंकड़ा नहीं है। बीच में दूसरे गेंदबाज भी नंबर-1 बने, इसलिए बुमराह के अलग-अलग नंबर-1 कार्यकालों को जोड़कर यह आंकड़ा बना है। इतने दिन किसी भारतीय गेंदबाज का ICC टेस्ट रैंकिंग में सबसे लंबा कार्यकाल है और टेस्ट इतिहास में

यह 14वां सबसे लंबा है।

बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ 2024 विशाखापट्टनम टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद पहली बार टॉप रैंक हासिल की थी। वह टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बनने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज भी हैं। वहीं, मौजूदा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में ऋषभ पंत सातवें और शुभमन गिल आठवें नंबर पर हैं।

बुमराह 2025 में भी टेस्ट रैंकिंग के टॉप पर बने रहे। जनवरी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में 9 विकेट लेने के बाद उनके रेटिंग पॉइंट 907 तक पहुंच गए थे।

खेलो इंडिया डायलॉग में कहा- युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा प्लेग्राउंड चाहिए

ओलंपिक खेलों में भागदारी बढ़ानी होगी : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम मोदी ने गुरुवार को 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद किया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही। ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ानी होगी। 2036 ओलंपिक के लिए अभी से खिलाड़ी तैयार करें।

मोदी ने कहा- 15 अगस्त को देश के सामने स्पोर्ट्स विजन रखा। यह सिर्फ मेडल जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि विकसित भारत और देश की खेल शक्ति बढ़ाने का अभियान है। पीएम ने कहा- मैं हमेशा कहता हूं- जो खेले, वो खिले। आज युवाओं को स्क्रीन से ज्यादा स्पोर्ट्स सेंटर और प्लेग्राउंड चाहिए।

नेशनल स्पोर्ट्स डे और मेजर ध्यानचंद पर- 29 अगस्त को नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है। यह महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करने का दिन है। करीब 100 साल पहले भारतीय सेना की हॉकी टीम न्यूजीलैंड गई थी, जिसमें ध्यानचंद भी शामिल थे। भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को आज और मजबूत किया जा रहा है।

ओलंपिक में नए खेलों पर- देश के हर जिले में खेल प्रतिभाएं हैं। ओलिंपिक के 20 से ज्यादा खेलों में भारत की भागीदारी नहीं रही है, जबकि दूसरे देश मेडल जीत रहे हैं। भारत को नए खेलों में भी आगे बढ़ना होगा। लंबी समुद्री तटरेखा के बावजूद सर्फिंग में भारत अभी पीछे है।

खेलो इंडिया संवाद पर- सरकार मजबूत स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। खेलो इंडिया संवाद में युवा खेल, गवर्नेंस और विकसित भारत पर सुझाव दे सकेंगे। उनके विचार देश को आगे बढ़ाएंगे।

पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिके, 12 मैचों का दौरा अक्टूबर से

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री

वेलिंगटन, एजेंसी

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिक गए हैं। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्री-सेल में रिकॉर्ड मांग है।

यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा।

तस्वीर 2025 चैंपियनशिप ट्रॉफी फाइनल की है। भारत ने दुबई में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

> वेलिंगटन में होने वाले मुकाबलों के लिए भी शुरुआती बिक्री मजबूत रही है। हेनरी स्टेडियम में सीरीज का तीसरा टी-20 और दूसरा वनडे खेला जाएगा। वहीं, पहला टेस्ट सेलो बेसिन रिजर्व में 19 नवंबर से शुरू होगा।

एनजेडसी बोला- भारत को खेलते देखना दुर्लभ मौका

न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग एंड कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि फैंस ने टिकट जल्दी खरीदने की अपील पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पहले दो दिनों में रिकॉर्ड बिक्री से पता चलता है कि बड़ी संख्या में फैंस ने समय रहते अपनी सीट बुक कर ली है।

क्रिचली ने कहा कि न्यूजीलैंड के फैंस के लिए भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच का माहौल देखने और दुनिया के बड़े क्रिकेट सितारों को लाइव देखने का यह खास मौका है।

मनोरंजन

32 साल से गोदभराई में खूब बजता है लता दीदी का कल्ट गीत

नुसरत साहब की कव्वाली से बना माधुरी का 'चटपटा गाना'

32 साल पुराना आज भी इंटरनेट पर वायरल
नुसरत फतेह अली खान की कव्वाली से प्रेरित था यह गीत
माधुरी का पर्पल लहंगा और लता दीदी की सुरीली आवाज

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में लता मंगेशकर ने कई यादगार गाने दिए हैं। 50 और 60 के दशक से शुरू हुआ सिलसिला करीब 2000 के दशक तक निरंतर चलता रहा।

90 के दशक में जब अलका याग्निक (Alka Yagnik) और अनुराधा पौडवाल (Anuradha Paudwal) समेत कई और सिंगर्स आईं, इस बीच में भी लता दीदी का जादू बरकरार रहा। अब आजकल लता मंगेशकर का एक गाना इन दिनों इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। अब यूं तो लता दीदी ने 90 के दौर में कई यादगार गाने गाए

> वहीं इस गाने के लिए लता दीदी को खास स्पेशल अवॉर्ड भी दिया गया था। इस गाने की खास बात यह भी थी इसके लिए करीब 16 दिनों तक रिहर्सल चली और फिर करीब 9 दिनों में ये गाना शूट किया गया था।

थे। इन्हीं में से लता दीदी का जो गाना इन दिनों इंस्टाग्राम पर ट्रेंड कर रहा है, वह गाना साल 1994 में एक आई ब्लॉकबस्टर फिल्म में सुनाई दिया। इस फिल्म का नाम था 'हम आपके हैं कौन' (Hum Aapke Hain Koun) और गाने का नाम है 'दीदी तेरा देवर दीवाना' (Didi Tera Devar Deewana)।

नुसरत फतेह अली खान की कव्वाली से बना गाना?

दीदी तेरा देवर दीवाना आज भी उन हिट गानों में माना जाता है जो खूब गोदभराई की रस्म में बजता है। इस गाने को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी। लता दीदी के साथ गाने में एस.पी बालासुब्रमण्यम ने भी अपने सुर लगाए थे।

टॉक्सिक में इंटीमेट सीन देना रुक्मिणी वसंत को पड़ा भारी

सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की हुई फजीहत

नई दिल्ली। मौजूदा समय में सिनेमा जगत में अगर किसी फिल्म की चर्चा हो रही है तो वह निर्देशक गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनने वाली लेटेस्ट फिल्म टॉक्सिक है। यश स्टारर टॉक्सिक में साउथ सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत ने अहम किरदार अदा किया है। लेकिन फिल्म में अपनी एक्टिंग की बजाय इंटीमेट सीन की वजह से रुक्मिणी वसंत का नाम फिलहाल सुर्खियां बटोर रहा है और सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया जा रहा है।

फिल्म टॉक्सिक में रुक्मिणी वसंत ने मेलिसा का किरदार निभाया है, जो मूवी में यश की पत्नी बनती हैं। उनके किरदार की एंट्री टॉक्सिक में सेकेंड हाफ में होती है। माना जा रहा था कि

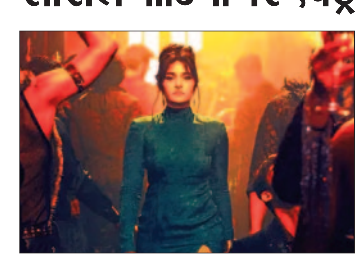

रुक्मिणी इस मूवी की कहानी में अहम मोड़ पर अपनी छाप छोड़ेगी, लेकिन इंटीमेट सीन की वजह से वह नेटिजंस के निशाने पर आ गई हैं। दरअसल टॉक्सिक में कई सारे बोल्ड सीन्स दिखाए गए हैं, जिनमें यश और रुक्मिणी वसंत का एक बेड सीन भी शामिल है। अब इसको लेकर रुक्मिणी की काफी आलोचना की जा रही है। एक यूजर ने एक्स पर ट्वीट कर लिखा है-टॉक्सिक में रुक्मिणी वसंत को लेकर काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उनका किरदार उम्मीद से बिल्कुल अलग निकला। दूसरे यूजर ने लिखा है- ये क्या कर दिया रुक्मिणी, ऐसे रोल में आपको देखना आंखों पर यकीन नहीं हो रहा।

इसके अलावा एक अन्य यूजर ने रुक्मिणी वसंत के पक्ष में अपनी बात रखते हुए लिखा है- टॉक्सिक में रुक्मिणी वसंत का कोई किसिंग या लव-मेकिंग सीन नहीं है। लोग बिना वजह ऐसी बातें कह रहे हैं कि हमें आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी।

दृश्यम 3 के बाद नई फिल्म का फर्स्ट लुक हुआ आउट

मोहनलाल की अगली फिल्म अथिमनोहरम
सामने आया अथिमनोहरम का फर्स्ट लुक
पुलिस ऑफिसर बने अभिनेता मोहनलाल

नई दिल्ली। मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल (Mohanlal) किसी अगल पहचान के मोहताज नहीं हैं। इस साल दृश्यम 3 जैसी शानदार फिल्म से फैंस का दिल जीतने वाले मोहनलाल इस वक्त अपनी अपकमिंग फिल्म अथिमनोहरम को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।

बुधवार को ओणम के खास पर्व पर मोहनलाल ने अथिमनोहरम (Athimanoharam) का फर्स्ट लुक शेयर कर फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। इस मूवी में वह आपको पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म का ये लुक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। पिछले चार दशकों से सिनेमा जगत में राज करने वाले मोहनलाल की फिल्मों को लेकर फैंस में जबरदस्त क्रेज देखने को मिलता है। अथिमनोहरम के एलान के बाद से सिनेप्रेमी इसके लिए सुपर एक्साइटेड नजर आ रहे थे और उनकी ये उत्सुकता फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर को देखने के बाद और अधिक बढ़ गई है। बुधवार को मोहनलाल ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर अथिमनोहरम की पहली झलक पेश की है। जिसमें वह बुलेट मोटर साईकिल पर पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। लंबे समय बाद मोहनलाल को सुपर कॉप अवतार में देखकर फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा है। माना जा रहा है कि अथिमनोहरम एक क्राइम थ्रिलर फिल्म होगी, जिसमें मोहनलाल एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाते हुए नजर आएंगे।

बोलीं- उन्हें कौन रोक रहा, जो मन करे पहनें पहले कहा- बिकिनी में राखी क्यों बांधेंगी?

कृति सेनन के कपड़ों पर दिए बयान से पलटीं कंगना

मुंबई। एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनोट कृति सेनन के रक्षाबंधन एडवर्टाइजमेंट पर दिए बयान से पलट गईं हैं। 'डीकोड लाइव' शो में कंगना ने कहा कि कृति को जो मन करे, वह पहन सकती हैं और उन्हें कोई नहीं रोक रहा है। इंटरव्यू में जब कंगना से कृति सेनन के कपड़ों पर दिए गए उनके पुराने बयान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ₹जिस तरह की फिल्मों में हम उन्हें देखते हैं, उन्हें कौन रोक रहा है कुछ पहनने से? किसने उन्हें रोका है, किसको क्या पड़ी है?₹ इसके साथ ही कंगना ने कहा कि रक्षाबंधन के मौके पर कोई भी महिला अपनी पसंद के कपड़े पहन सकती है।

सोशल मीडिया पर विवाद बढ़ने के बाद जीवा ज्वेलरी ब्रांड ने इंस्टाग्राम पर बयान जारी कर विज्ञापन वापस ले

लिया। कंपनी ने लिखा कि उनका इरादा भारतीय संस्कृति और त्योहारों का सम्मान करना है।

कंपनी का मकसद त्योहार की खुशियों में पालतू जानवरों को भी शामिल करना था। अगर इस विज्ञापन से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो कंपनी को इसका दुख है और सम्मान के तौर पर इसे सभी मीडिया प्लेटफॉर्म से हटाया जा रहा है।

यह पूरा विवाद जीवा ज्वेलरी ब्रांड के रक्षाबंधन एड के बाद शुरू हुआ था।

'बिकिनी' वाले कमेंट से शुरू हुआ था विवाद

इससे पहले कंगना रनोट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर बिना नाम लिए कृति सेनन पर निशाना साधा था। कंगना ने लिखा था कि आज महिलाओं के पास पहनने के लिए हर तरह के कपड़ों के विकल्प मौजूद हैं, ऐसे में रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधते समय इस तरह के कपड़े क्यों चुने गए। कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा- "महिला होने के लिए यह शानदार समय है। हमारी अलमारियां कई तरह के कपड़ों से भरी हैं और आज की महिला ग्लोबल महिला है। कॉकटेल ड्रेस से लहंगा चोली, जींस से साड़ी और बिकिनी से सलवार-कमीज तक, आज हमारे पास कपड़ों के इतने विकल्प हैं। फिर आप अपने भाई को बिकिनी या अंडरगारमेंट्स में राखी क्यों बांधेंगी? आपके पास स्टाइलिंग के इतने विकल्प कहां गए? हा हा, यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है।"

नेपाल बाढ़ः तिब्बत बॉर्डर पर आखिरी बार मिली लोकेशन, संचार बाधित, बचाव कार्य में भारी कठिनाई

कैलाश यात्रा से लौट रहा भारतीय मूल का अमेरिकी कपल लापता

तलाश

■ नेपाल बाढ़ में 175 मौतें, सैकड़ों लोग लापता

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में अचानक आई बाढ़ ने तबाही मचा दी है। इस बाढ़ में अब तक 175 लोगों की मौत की खबर सामने आई है, लेकिन अभी भी सैकड़ों लोग लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है।

नेपाल की बाढ़ में लापता हुए लोगों में 300 से ज्यादा भारतीय हैं। भारत से कई यात्री कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गए थे, लेकिन इस बाढ़ के चलते इन लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है। नेपाल बाढ़ में अमेरिकी नागरिक और भारत के विदेशी नागरिक (OCI कार्डधारक) दीपक आहूजा (60) और मधु आहूजा (57) लापता हो गए हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, दीपक आहूजा और मधु आहूजा के दामाद आकाश महतानी ने बताया कि वह 'ईशा सेक्रेड वॉक्स' (Isha Sacred Walks) के साथ तीर्थयात्रा के लिए अमेरिका से आया था।

> संस्था ने पुष्टि की है कि बाढ़ आने के समय वे तिब्बत में गियिरोंग इमिग्रेशन सुविधा केंद्र पर थे। यह कपल ग्रुप र3 (26वां ट्रैवल ग्रुप) के हिस्से के तौर पर कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौट रहा था, तभी इलाके में मौसम बेहद खराब हो गया।

परिवार ने उन्हें खोजने में मदद की अपील की

दीपक आहूजा और मधु आहूजा के परिवार ने उन्हें खोजने में मदद की अपील की है। हालांकि, टेलीकम्युनिकेशन, बिजली आपूर्ति और स्थानीय सड़क नेटवर्क में भारी रुकावटों के कारण सीमा के दोनों ओर बचाव अभियान मुश्किल हो गया है। सीमा के पास के इलाके से संपर्क लगभग पूरी तरह से कट गया है और इसी दौरान यह जोड़ा अपने परिजनों के संपर्क से बाहर हो गया। दीपक आहूजा और मधु आहूजा 'ट्रेकर्स सोसाइटी' टूर ऑपरेटर के जरिए यात्रा कर रहे थे।

रक्षाबंधन से पहले सोना-चांदी के दाम गिरे

नई दिल्ली। रक्षाबंधन से एक दिन पहले यानी आज 27 अगस्त को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,951 रुपए घटकर 1.58 लाख रुपए हो गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 3,459 रुपए कम होकर 2.40 लाख रुपए पर आ गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 29 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.58 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.40 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

निवेश के नाम पर 1.27 करोड़ की ठगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में ऑनलाइन निवेश के नाम पर 1.27 करोड़ रुपए की साइबर ठगी की गई। आरोपियों ने वॉट्सएप के जरिए युवक से संपर्क कर 30 पर्सेंट गारंटीड रिटर्न का लालच दिया। शुरुआत में कम रुपए निवेश कराकर मुनाफा भी दिया, जिससे युवक को जालसाजों पर भरोसा हो गया। इसके बाद अलग-अलग शुल्क और अतिरिक्त इन्वेस्टमेंट के नाम पर उनसे लगातार रकम जमा कराई गई। गोल्फ सिटी के देवामऊ निवासी अरशद अहमद ने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी है। इसमें बताया है कि कुछ महीने पहले अज्ञात लोगों ने उन्हें वॉट्सएप पर मैसेज भेजकर स्टॉक मार्केट में इन्वेस्टमेंट का ऑफर दिया। उन्हें करीब एक हजार लोगों वाले वॉट्सएप ग्रुप में जोड़ दिया गया।

■ 30% रिटर्न का झांसा, वॉट्सएप ग्रुप पर मुनाफा कमाने का स्क्रीनशॉट भेजकर फंसाते रहे

ग्रुप में मुनाफे के स्क्रीनशॉट और एक्सपर्ट मेंटर्स की जानकारी साझा की जाती थी। भरोसा बढ़ाने के लिए पहले उन्होंने 10 हजार रुपए इन्वेस्ट किए, जिस पर उन्हें 30 परसेंट प्रॉफिट दिखाया गया। इसके बाद 20 हजार रुपए निवेश करने पर करीब 25 परसेंट प्रॉफिट दिखाया गया।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में रुद्राक्ष और त्रिनेत्र वाली राखियों की डिमांड

लखनऊ । लखनऊ में रक्षाबंधन से पहले राखी बाजार सजे हुए हैं। अमेरिकन डायमंड और कैप्टन अमेरिका वाली राखियां खूब पसंद की जा रही हैं। रुद्राक्ष और भगवान शिव के त्रिनेत्र वाली राखियां भी डिमांड में हैं। बच्चों के लिए 'भाई' और 'वीरा' के साथ कैप्टन अमेरिका जैसे एनिमेशन हीरोज वाली राखियां बाजार में बिक रही हैं।

22,000 करोड़ के कर्ज का सिर्फ 6.5 करोड़ में निपटारा

नई दिल्ली। NCLT ने जी ग्रुप के फाउंडर सुभाष चंद्रा को 22 हजार करोड़ के कर्ज को महज 6.5 करोड़ में निपटाने के प्लान को मंजूरी दी है। इससे कर्ज देने वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों को अपने 99.97% बकाए पैसे का नुकसान सहना पड़ेगा।

चंद्रा को NCLT से मिली राहत पर भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने इसे दोहरा रवैया बताया। माल्या ने X पर पोस्ट कर सुभाष चंद्रा को बधाई देते हुए कहा ये भारतीय इंसाफ का असली मजाक है।

मंथली एक्सपायरी पर 6 मिनट में 2,200 अंक टूटा सेंसेक्स

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 27 अगस्त को गिरावट रही। सेंसेक्स 539 अंक की गिरावट के साथ 76,934 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 117 अंक की गिरावट रही, ये 24,091 पर बंद हुआ। मेटल, सरकारी बैंक और मीडिया शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही।

अल्जीरिया के जंगलों में लगी भीषण आग अब तक 12 लोगों की मौत

गृह मंत्री सयूद ने लिया रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा

अल्जीयर्स, एजेंसी

अल्जीरिया के पूर्वोत्तर हिस्से में भीषण जंगल की आग ने तबाही मचा दी है। प्रशासन के अनुसार, आग की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं राष्ट्रपति अब्देलमजीद तेब्बौने के निर्देश पर गृह मंत्री सईद सयूद ने गुरुवार को बेजाया और फिर जिजेल प्रांत का दौरा किया। घायलों को अस्पताल में देखने पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। सिन्हुआ के अनुसार, अल्जीरिया के गृह मंत्री सईद सयूद ने बताया कि मृतकों में जिजेल प्रांत में पांच, बेजाया में चार और तिजी ओउजौ में तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बेजाया के सौक एल थेनाइन शहर के एक अस्पताल का दौरा कर आग में झुलसे और धुएं से प्रभावित लोगों के इलाज का जायजा लिया।

अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार को देशभर में 159 जगहों पर आग लगने की घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें अकेले बेजाया प्रांत में 36 आग लगीं, जिनमें से 18 पर काबू पा लिया गया है। हालांकि बेजाया में अभी भी 18 स्थानों पर आग सक्रिय है। पड़ोसी जिजेल प्रांत की 12 नगरपालिकाओं में भी आग से निपटने के लिए अभियान जारी है।

अल्जीरियाई अधिकारियों ने बताया कि स्किक्दा, एल तारफ, बुइरा, तिजी ओउजौ और तेबेस्सा प्रांतों में लगी आग को नियंत्रित कर लिया गया है। प्रभावित इलाकों से कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इन जंगल की आग के बीच अल्जीरिया और पड़ोसी ट्यूनीशिया में भीषण हीटवेव चल रही है।

रिटेल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने लिमिट तय की, एक महीने में 35% महंगी हुई

ब्लिंकिट-स्विगी, डीमार्ट से 5 किलो से ज्यादा शक्कर नहीं मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्लिंकिट, जेप्टो जैसे क्विक-कॉमर्स एप्स से अब ग्राहक एक बार में 2 से 5 किलो तक ही चीनी खरीद पाएंगे। देश में त्योहारी सीजन की शुरुआत से ठीक पहले चीनी की सप्लाई घटने और कीमतों में अचानक आई तेजी के बाद यह फैसला लिया गया है।

उपभोक्ता मामले विभाग के मुताबिक, 26 अगस्त को देश में चीनी की औसत खुदरा कीमत 65.05 रुपए किलो पर पहुंच गई है। महज एक महीने पहले 26 जुलाई को यह 48 रुपए प्रति किलो थी। यानी 30 दिनों में चीनी 35.5% से महंगी हुई है।

उत्पादन में गिरावट का अनुमानः इंडियन शुगर एंड बायो-एनर्जी

मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (ISMA) ने 2025-26 मार्केटिंग ईयर के लिए एथेनॉल ब्लेंडिंग के बाद देश का चीनी उत्पादन लगभग 279 लाख टन रहने का अनुमान जताया है। घरेलू मांग ज्यादाः भारत में चीनी की सालाना घरेलू खपत करीब 280 लाख टन है। सत्र की शुरुआत में करीब 50 लाख टन का ओपनिंग स्टॉक था, लेकिन खपत के मुकाबले नया उत्पादन कम रहने की आशंका से सप्लाई प्रेशर बढ़ा है।

> थोक बाजार में भी चीनी के दाम 45 रुपए किलो से बढ़कर 60.36 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। पीआईबी के आंकड़ों के मुताबिक, 20 जुलाई से 20 अगस्त के बीच ही चीनी के दाम 16% तक बढ़ गए थे, जो अगस्त के आखिरी हफ्ते तक और तेज हो गए।

डीमार्ट और रिलायंस रिटेल ने भी कैपिंग लगाई

ऑफलाइन बाजार में डीमार्ट और रिलायंस रिटेल जैसे सुपरमार्केट्स ने प्रति ग्राहक 2 से 3 किलो चीनी खरीदने की सीमा तय की है। प्रमुख चीनी ब्रांड्स के एक सीनियर एग्जीक्यूटिव के मुताबिक, रिटेलर्स यह कदम जमाखोरी रोकने और हर ग्राहक को स्टॉक उपलब्ध कराने के लिए उठा रहे हैं।

15 दिन से ज्यादा स्टॉक रखने पर पाबंदी

सरकार चीनी व्यापारियों और डीलरों पर स्टॉक रखने की सीमा लागू कर चुकी है। नए नियमों के तहत महीने में 10 मीट्रिक टन से अधिक चीनी का कारोबार करने वाले डीलर 15 दिन से अधिक की खपत का स्टॉक जमा करके नहीं रख सकते।

कम बच सकता है क्लोजिंग स्टॉकः ISMA के मुताबिक, सितंबर के अंत तक देश में क्लोजिंग स्टॉक घटकर महज 35 लाख टन रह जाएगा, जो पिछले सालों की तुलना में काफी कम है। रक्षाबंधन और आने वाले गणेशोत्सव, नवरात्रि व दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान मिठाइयों और चीनी आधारित व्यंजनों की मांग काफी बढ़ जाती है। ऐसे समय में चीनी की कीमतों में प्रति किलो 17 रुपए किलो तक की बढ़ोतरी से आम परिवारों के महीने के राशन का बजट सीधे तौर पर प्रभावित होगा।

नेपाल बाढ़ में तबाह हुआ हिमालयी कॉरिडोर

260 सालों से था भारत-चीन और तिब्बत के बीच व्यापार का मुख्य मार्ग

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में आई अचानक बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। इसमें हिमालयी कॉरिडोर खासकर रसुवागढ़ी बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। यह 260 से ज्यादा सालों से नेपाल के अहम ट्रांस-हिमालयी रास्तों में से एक रहा है। यहां से व्यापारी, तीर्थयात्री और सेनाएं गुजरती थीं और बाद में यह चीन से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ों, जूतों और इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए देश का एक बड़ा प्रवेश द्वार बन गया। भोटे कोशी घाटी में ट्रकों के आने से बहुत पहले खच्चरों के काफिले नेपाल से उत्तर की ओर ग्यारोंग तक चावल और दूसरे अनाज ले जाते थे, जहां व्यापारी उन्हें तिब्बती नमक और ऊन के बदले बेचते थे। नेपाल की मध्य पहाड़ियों में नमक की बहुत ज्यादा कीमत थी और यह दक्षिण की ओर भारत तक पहुंचता था। नेवार व्यापारी समुदाय भी तिब्बत के

व्यापारिक कस्बों में बस गए थे। 1855 में एक और हमले की तैयारी के दौरान जंग बहादुर राणा ने सीमा पर रसुवागढ़ी किला बनवाया था। 171 साल पुराना किला आज भी आधुनिक रसुवागढ़ी-ग्यिरोंग कस्टम्स क्रॉसिंग के पास खड़ा है। 1950 के बाद हुए राजनीतिक बदलावों और नई सड़कों के बनने से धीरे-धीरे कारवां वाली अर्थव्यवस्था खत्म हो गई, लेकिन पहाड़ी रास्ते से होने वाला व्यापार बस एक अलग रूप में जारी रहा। बाढ़ ने ल्हेन्डे/कोशी नदी पर बने मितरी संघु यानी फ्रेंडशिप ब्रिज को भी नष्ट कर दिया। 2015 के भूकंप के बाद दोबारा बनाए गए और 2025 की बाढ़ के बाद मरम्मत किए गए इस पुल के सहारे (abutments) कुछ ही सेकंड में ढह गए, जिससे नेपाल-चीन के बीच का जमीनी संपर्क टूट गया।

> सालों में रसुवागढ़ी नेपाल में इलेक्ट्रिक गाड़ियों के बढ़ते चलन के लिए एक अहम एंट्री पॉइंट बन गया। रसुवा कस्टम्स के आंकड़ों के मुताबिक, 2025-26 में इस क्रॉसिंग से 6,500 से ज्यादा चीनी इलेक्ट्रिक कारें, जीप, वैन और मिनीबसें नेपाल में आईं।

कॉरिडोर का रणनीतिक महत्व

इस कॉरिडोर का रणनीतिक महत्व बहुत ज्यादा था। गोरखा (नेपाल का वह जिला जहां से इस समुदाय को अपना नाम मिला) ने 1744 में नुवाकोट पर कब्जा किया, जिसका एक मकसद तिब्बत के साथ होने वाले फायदेमंद व्यापार पर नियंत्रण करना था। बाद में 1792 में चीनी और तिब्बती सेनाओं के जवाबी हमले से पहले 1788 और 1791 में तिब्बत पर हमले के दौरान नेपाली सेनाओं ने इसी रास्ते का इस्तेमाल किया था।

2025 की बाढ़ में हुआ भारी नुकसान

मंजूरी का इंतजार कर रही गाड़ियों की वजह से कस्टम्स का इलाका अक्सर भरा रहता था, जिससे हिमालय की यह छोटी सी बस्ती गाड़ियों के एक अस्थायी डिपो में बदल जाती थी। गाड़ियों और सामान के इस तरह जमा होने से आपदा का खतरा भी बढ़ गया था। जुलाई 2025 की बाढ़ में हाल ही में आयात की गई कई ईवी और कार्गो गाड़ियां बह गईं। अभी आई बाढ़ में तिमुरे नदी के किनारे रखे सैकड़ों 40-फीट के शिपिंग कंटेनर अपनी जगह से हटकर नदी की धारा के साथ बहने लगे। ये कंटेनर तैरते हुए भारी हथियारों की तरह पुल के खंभों, सड़क के किनारों और बिजली ट्रांसमिशन टावरों से टकराते रहे।

राजधानी में चेन झपटने वाली जेठानी-देवरानी गिरफ्तार

ऑटो में छीनती थीं सोने की चेन बताया बाराबंकी

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा (लखनऊ)। लखनऊ में चेन झपटने वाली 3 महिलाएं गिरफ्तार हुई हैं। गुरुवार को पारा पुलिस ने इन्हें जेल भेज दिया। तीनों महिलाओं को बुधवार को सिंगारनगर मेट्रो स्टेशन के पास लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। शुरुआत में अपनी पहचान बाराबंकी की निवासी के रूप में बताती रहीं। गहनता से पूछताछ में बताया कि कुशीनगर की रहने वाली हैं और वहां के आईडी कार्ड भी दिए। इन महिलाओं ने यह भी कबूल किया है कि पिछले महीने एक बुजुर्ग महिला की भी चेन स्नेचिंग की थी। उम्र में सबसे बड़ी महिला जेठानी, दूसरे नंबर की उसकी देवरानी और सबसे छोटी वाली महिला जेठानी की बेटी है। पुलिस को तीनों के पास से 16.8 ग्राम वजन की दो सोने की चेन मिली हैं। इनमें से एक चेन 26

अगस्त को छीनी गई थी, जबकि दूसरी पहले चोरी की गई थी। 26 अगस्त को इन महिलाओं ने तकरोही इंदिरानगर में रहने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर अरविंद यादव की पत्नी लक्ष्मी यादव की चेन झपट ली थी। इसी हरकत के समय ही लोगों ने पकड़ लिया। पीड़िता लक्ष्मी के अनुसार, सिंगार नगर मेट्रो स्टेशन से पुराना पारा जाने के लिए वह एक ऑटो में बैठीं। उसी ऑटो में तीन अन्य महिलाएं भी सवार हो गईं। इन महिलाओं ने बातचीत कर ध्यान भटकाया और लक्ष्मी के गले से सोने की चेन छीन ली।

दर्दनाक : नेपाल की बाढ़ में बचे व्यक्ति ने सुनाई खौफनाक दास्तान

'चंद सेकेंड में बह गए पत्नी और बेटा'

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों लोग लापता हो गए हैं, अब तक 175 लोगों के शव बरामद हो चुके और पूरे के पूरे गांव बह गए। बचाव टीमें लापता लोगों को खोजने के लिए तेजी से काम कर रही हैं। चश्मदीदों के मुताबिक, नेपाल के तीन जिलों से गुजरने वाली भोटे कोशी नदी में यह बाढ़ बिना किसी चेतावनी के आई।

हालांकि घटना का सही क्रम अभी साफ नहीं है, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि अचानक आई बाढ़ तब शुरू हुई जब ग्लेशियर के ढहने से भोटे कोशी की सहायक नदी ल्हेन्डे का बहाव रुक गया। इससे पानी का स्तर अचानक बढ़ गया और बाढ़ का पानी सबसे पहले तिब्बत के साथ नेपाल की सीमा पर

स्थित रसुवागढ़ी के पास तिमुरे इलाके से टकराया। इलाके के वीडियो में घरों की कम से कम एक मंजिल गाद से ढकी हुई दिखाई दी। नुवाकोट के त्रिशूली बाजार में कपड़े की दुकान चलाने वाले एक स्थानीय व्यापारी ने बताया कि बाढ़ बहुत तेजी से आई और लोगों को सुरक्षित जगह पर जाने के लिए ज्यादा समय नहीं मिला।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाढ़ बिना किसी चेतावनी के आई। उस दिन इलाके में बारिश की कोई खबर नहीं थी और लोग अपने रोजमर्रा के कामों में लगे हुए थे, तभी अचानक पानी की एक विशाल लहर ने इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। रसुवा में कस्टम्स के मुख्य अधिकारी राजेंद्र ढुंगाना ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि उन्हें जमीन हिलती हुई महसूस हुई और वे बाहर भागे। वहां उन्होंने देखा कि ऊपर की तरफ से पानी की एक विशाल लहर, जिसके पीछे धुएं का गुबार जैसा कुछ दिख रहा थॉ टिमुरे बाजार की ओर तेजी से बढ़ रही थी। जब आपदा का दायरा साफ हुआ तो ढुंगाना और दर्जनों अन्य लोग पास के जंगल में भाग गए। कस्टम चेकपॉइंट पर इंतजार कर रहे 300 से ज्यादा वाहन और ट्रक बह गए। नेपाल ने बताया कि इस त्रासदी में कम से कम 175 लोगों की मौत हुई है और विनाशकारी बाढ़ के बाद 823 लोगों से संपर्क नहीं हो पा रहा है।

'कुछ ही सेकेंडों में आ गई बाढ़'

बचे हुए व्यक्ति ने बताया, ₹सुबह प्रशासन के लोग आए और हमें बताया कि तिब्बत की तरफ भोटे कोशी नदी पर बना बांध टूट गया है और भारी मात्रा में पानी हमारी तरफ आ रहा है। हमें ऊंचे इलाकों की तरफ भागने के लिए कहा गया। उन्होंने आगे कहा कि बहुत कम लोग ही समय पर सुरक्षित जगह पहुंच पाए, क्योंकि बाढ़ ने कुछ ही सेकंडों में कई लोगों को बहा दिया। उन्होंने आगे कहा कि उनका 18 साल का बेटा और पत्नी भी लापता हैं।

> कुछ ही मिनटों में बाढ़ का पानी तेजी से नीचे की ओर बहने लगा और नेपाल के रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग जिलों में कई बस्तियों को बहा ले गया। घरों, सड़कों, पुलों और सामुदायिक जगहों पर कई मीटर गाद जमा हो गई है, जिससे खोज और बचाव का काम मुश्किल हो गया है।

अमेरिकी सेना का प्लानः पांच ठिकानों पर लगेंगे परमाणु माइक्रोरिएक्टर

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सेना ने बुधवार को बताया कि वह न्यूयॉर्क से टेक्सस तक पांच सैन्य ठिकानों पर परमाणु माइक्रोरिएक्टर लगाने की योजना बना रही है। इनसे भरोसेमंद बिजली मिलेगी। इसके लिए सेना को व्यावसायिक बिजली ग्रिड पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

यह घोषणा ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप प्रशासन अमेरिका में परमाणु ऊर्जा का विस्तार करने पर जोर दे रहा है। इसका मकसद नई परमाणु तकनीक को बढ़ावा देना है। खासकर डाटा केंद्रों की बढ़ती बिजली जरूरत पूरी करने पर जोर है। इसके तहत बड़े परमाणु रिएक्टरों के लिए अरबों डॉलर के कर्ज दिए जा रहे हैं। उन्नत रिएक्टर डिजाइन और परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक पायलट कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। इसमें सैन्य और आम नागरिक दोनों क्षेत्रों के लिए काम किया जा रहा है।

अमेरिका में अभी कोई भी परमाणु

माइक्रोरिएक्टर व्यावसायिक बिजली ग्रिड को बिजली नहीं दे रहा है। सेना ने पांच कंपनियों को चुना है। इन्हें पांच साल में कुल 2.2 अरब डॉलर तक दिए जाएंगे। ये कंपनियां माइक्रोरिएक्टर की मालिक होंगी। इन्हें बनाएंगी और चलाएंगी। हालांकि, इसके लिए उन्हें तय किए गए प्रदर्शन मानकों को पूरा करना होगा। सेना को उम्मीद है कि 20 से ज्यादा परमाणु माइक्रोरिएक्टर बनाए और चलाए जाएंगे।

उद्योग और सेना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि माइक्रोरिएक्टर सैन्य ठिकानों के लिए मजबूत बिजली स्रोत दे सकते हैं। अगर मुख्य बिजली ग्रिड बंद हो जाए, तब भी इनसे जरूरी ढांचे को बिजली मिल सकती है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676